डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 312 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 28 अगस्त 2024 | मूल्य 2 रुपया

कोतवाली पुलिस खोजने में लगी, केमरे खंगाले, लेकिन नहीं लगा अता-पता...

दशपुर कुंज से दो वर्ष का बालक लापता

मंदसौर, 27 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। शहर के दशपुर कुंज बगीचे से मंगलवार दोपहर में एक दो वर्ष का बालक लापता हो गया। बालक गुम हुआ है अथवा उसे कोई ले गया है, इस संबंध में क्लीयर नहीं हो पाया है। इसकी सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस सक्रिय हुई। बगीचे में जाकर पड़ताल की गई, लेकिन बालक का कोई अता-पता नहीं चल सका। रात्रि तक पुलिस बालक को खोजने में लगी रही।

कोतवाली पुलिस के अनुसार बालक का मंगल पिता रूपसिंह है। जो धमनार के समीप ईसबखेड़ी का रहने वाला है। मंगलवार को बालक के उपचार के लिए उसकी मां विमला लेकर आई थी। बड़े अस्पताल के सामने दशपुर कुंज में बैठकर वह भोजन कर रही थी। लेकिन, ध्यान हटने पर बालक लापता हो गया। बालक के नहीं दिखने पर महिला ... शेष पेज 4 पर

प्राथमिक व मीडिल स्कूल में भृत्य नहीं होने पर उपजी स्थिति, पंचायत को सफाई के दिए हैं निर्देश...

स्कूलों की सफाई में लापरवाही, जिम्मेदार बेपरवाह..!

शिक्षक-पालक संघ के कर्ताधर्ता बेपरवाह, शौचालय भी करना होता है साफ

मंदसौर, 27 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। जिले के अधिकांश सरकारी प्राथमिक व मीडिल स्कूलों में चपरासी पद खाली है। इस कारण स्कूलों में सफाई व्यवस्था भी चरमरा गई है। जहां सफाई होती भी है तो वहां हफ्तेभर का समय निकल रहा है। सरकारी स्कूलों में भृत्य नहीं होने की दशा में यह स्थिति पनप रही है। बता दें कि एक ओर जहां शासन, प्रशासन सफाई पर जोर दे रहा है, वहीं सरकारी स्कूलों में सफाई की स्थिति डगमगा रही है। सफाई के लिए आया खर्चा भी कहां जा रहा है, यह भी क्लीयर नहीं हो पा रहा है। हालांकि, पूर्व में चपरासी नहीं होने की स्थिति में एक आदेश के तहत पंचायतों के जिम्मे सफाई व्यवस्था के लिए कहा गया था, लेकिन सफाई करवाने की जवाबदारी निभाने में अधिकतर नौकरशाह बेपरवाह बने हुए हैं। इस कारण कई बार सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों द्वारा सफाई करने की स्थिति सामने आती रही है। कुछ माह पूर्व ग्राम भालोट में विद्यार्थियों द्वारा सफाई किए जाने का एक वीडियो भी सामने आया था।

सरकारी स्कूलों में गंदगी की हालत पर सक्रिय हुए अधिकारियों ने पूर्व में एक आदेश जारी कर सफाई का जिम्मा संबंधित पंचायत के अधीन भी किया था। यानी स्कूलों में साफ-सफाई पंचायतें अपने कर्मचारियों से करवाएगी। यही नहीं शौचालय की सफाई भी पंचायतों को ही करना है। यह स्थिति उन स्कूलों में लागू है, जहां चपरासी नहीं है। बता दें कि जिले के प्राथमिक स्कूलों में चपरासी की नियुक्ति राज्य शासन ने नहीं की है, वहीं माध्यमिक स्कूलों में पूर्व में जो चपरासी नियुक्त वे ही कार्यरत हैं। ऐसे में अनदेखी के चलते सफाई व्यवस्था गड़बड़ाई हुई है, वह भी तब, जब पंचायतों को सफाई की जवाबदारी सख्ती से सौंपी है। पंचायतों द्वारा इस आदेश का जमकर मखौल उड़ाया जा रहा है। स्कूलों में सफाई का अभाव है और मजबूरन विद्यार्थियों को सफाई करना पड़ती है।

शिक्षक पालक संघ को जवाबदारीदेही तय, निर्माण कार्यों पर ही ध्यान–स्कूलों में शिक्षक पालक संघ नाम मात्र का बनकर रह गया है। पीटीए द्वारा निर्णय तो लिए जाते हैं, लेकिन वे कहां लागू हो रहे हैं, किसी को खबर नहीं है। बताते हैं कि पीटीए के कर्ताधर्ताओं का केवल निर्माण कार्य पर ही ध्यान जा रहा है। ऐसे में जवाबदारी कौन निभाएगा, यह सवाल भी खड़ा हो गया है।

बारिश के मौसम में सफाई व्यवस्था और चरमरा रही–बारिश के मौसम में स्कूल भवन व परिसर में सफाई व्यवस्था चरमरा रही है। ऐसे में स्कूल चलें अभियान पर भी पलीता लगता दिखाई देता है। शासन द्वारा समग्र स्वच्छता अभियान के तहत साफ-सफाई पर ज्यादा तवज्जो दी जा रही है। नए शैक्षणिक सत्र में स्कूल खुलने पर व विद्यार्थियों द्वारा सफाई किए जाने की स्थिति में राज्य सरकार ने सभी पंचायतों को सफाई की जिम्मेदारी दी थी। भोपाल से निकले आदेश कागजों तक ही सीमित रह गए हैं। इस पर न तो अमल हो रहा है और न ही कोई ध्यान ने रहा है। बता दें कि शिक्षा विभाग के माध्यम से सरकारी स्कूलों में शौचालय भी बनाए गए हैं। शौचालय छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग हैं। निर्माण कार्य में करोड़ों रूपए खर्च कर शौचालय बनाए गए हैं। लेकिन, सफाई पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

गुणवत्ता विहीन बन गए भवन और शौचालय-बता दें कि सरकारी स्कूलों में बनाए गए शौचालय गुणवत्ता विहीन होते जा रहे हैं। स्कूल भवन निर्माण में भी येन केन प्रकारेण अनियमितताएं की गई है। इस मसले पर सभी अधिकारी मौन धारण किए हुए हैं। स्कूलों में भवन और शौचालय की गुणवत्ता जांचने के लिए भी किसी ने निरीक्षण नहीं किया है। गुणवत्ता भी किसने जांची, यह भी कागजों तक ही सीमित है। जबकि सरकार की ओर से स्कूलों के लिए करोड़ों की राशि आवंटित की गई थी।

बालागंज स्कूल का मैदान कीचड़ में तब्दील

जिला मुख्यालय पर बालागंज स्कूल का मैदान को देखें तो सफाई व्यवस्था की स्थिति भी पता लगती है। इस स्कूल का मैदान में पानी भराए जाने के बाद यहां कीचड़ ही कीचड़ की स्थिति पनप गई है। विद्यार्थियों को स्कूल तक जाने के लिए अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वर्तमान में स्कूल मैदान की हालत दयनीय है। धूप निकलने और बारिश नहीं होने की स्थिति में ही यह कीचड़ स्वतः सूखने का इंतजार किया जाने लगा है। जबकि यहां पानी निकासी की समुचित व्यवस्था किए जाने की जरूरत है।

सरपंच व सचिवों की भी है जवाबदारी–सरकारी स्कूलों में सफाई करवाने की जवाबदारी सरपंच और सचिवों की भी है। जनप्रतिनिधि बनकर आए सरपंच अपनी मनमर्जी से कार्य कर रहे हैं जिन्हें सरकार की क्रियान्वयन योजना से कोई सरोकार नहीं दिख रहा है। कई पंचायतों में शौचालय निर्माण बाकी है, जिन पर ही ध्यान केंद्रित है। जबकि स्कूलों में सफाई और जो शौचालय बने हुए हैं, उनकी साफ सफाई भगवान भरोसे ही दिखाई देती है।

इनका कहना–इस संबंध में शिक्षा विभाग के प्रभारी अधिकारी श्री डाबी से संपर्क करना चाहा, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका।

लाड़ली बहनों के लिए आवास की थी योजना, सिर्फ पोर्टल पर इंट्री हुई...

61 हजार 255 आवेदन पोर्टल पर बंद, आवास का है इंतजार

मंदसौर, 27 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। पिछले साल प्रदेश सरकार ने लाड़ली बहनों के लिए मुख्यमंत्री आवास योजना की घोषणा की थी और उसके लिए पंचायत स्तर पर ताबड़तोड़ आवेदन भी लिए गए। अभी सिर्फ आवेदनों की पोर्टल पर एंट्री हुई। हितग्राहियों का चयन, आवेदनों की जांच सहित लाभ दिए जाने की प्रोसेस संबंधी कोई कार्रवाई नहीं हुई। यही कारण है कि बहनों को समझ नहीं आ रहा कि उन्हें लाभ कैसे मिलेगा। आवेदन किए 11 महीने तो हो गए। आवास योजना केतहत जिले में हुए 61255 से अधिक आवेदन चुनावी वादों में उलझकर रह गए हैं।

17 सितंबर 2023 से सीएम आवास योजना के लिए आवेदन भरे जाना शुरू हुए थे और 5 अक्टूबर के साथ ही आवेदन करने की समय सीमा खत्म हो गई। तब तक रतलाम जिले में पचास हजार से अधिक आवेदन आए परंतु आवेदन करते समय पात्र-अपात्र की छंटनी नहीं हुई और सभी आवेदन जमा किए गए। इसके बाद से पोर्टल बंद ही है। आवेदनों की जांच होती, इससे पहले ही आचार संहिता लग गई और आवेदन फ्रीज हो गए। पंजीकृत आवेदनों में अधिक आवेदन घोषणा अनुसार बहनों को लाभ भी चरणबद्ध तरीके से दिए जाने की प्लानिंग तो थी। विधानसभा के बाद लोकसभा चुनाव निपट गए परंतु बहनों के लिए आवास की प्रोसेस शुरू नहीं हुई। ऐसे में बहनें लंबे समय से इंतजार ही कर रही हैं कि जिस तरह लाड़ली बहना योजना चल रही है और उसी तरह आवास योजना का लाभ बहनों को मिले। हालांकि आवास योजना में सिर्फ ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं ही शामिल हुई हैं।

बिना जांच आवास भी मिलेगा, इसी उम्मीद में भरे फॉर्म–सीएम की आवास योजना सिर्फ ग्रामीण परिवेश की बहनों के लिए थे, इसीलिए नगरपालिका जनपद की पंचायतों में आवेदन लिए गए। हालांकि अभी सिर्फ आवेदन लिए गए। ऐसे में महिलाओं ने पंचायतों में जाकर आवेदन किए। क्योंकि उन्हें लग रहा है कि जिस तरह लाड़ली बहना योजना में बिना जांच-पड़ताल के ही 1250 रुपए का लाभ दिया गया, उसी तर्ज पर उन्हें आवास का भी लाभ मिलेगा। जनपद अधिकारियों के अनुसार आवेदन आए थे, जिनकी पोर्टल पर एंट्री कर दी गई, इसके बाद से पोर्टल बंद है। इसके अलावा अभी कोई निर्देश नहीं मिले हैं।

लाड़ली बहना राशि बढ़ने के नहीं है अभी आसार–रक्षाबंधन पर सरकार ने लाड़ली बहनों के खाते में 250 रुपए राखी का उपहार और 1250 रुपए योजना के तहत डाले थे। ऐसे में महिलाओं को 1500 रुपए अगस्त में जमा हुए। अब सितंबर आने वाला है। ऐसे में बहनों को उम्मीद है कि सरकार अपने वादों को पूरा करते हुए 1500 और आगे चलकर 3000 प्रतिमाह किस्त देगी। लेकिन, अभी सरकार की तरफ से राशि बढ़ोतरी संबंधी कोई निर्देश नहीं हैं। ऐसे में संभवत: बहनों को 1250 रुपए की किस्त ही मिलती रहेगी।

कोतवाली के होनहार अन्य कार्यों में व्यस्त, क्लू ढूंढने में भी कोताही...

बंगले पर चोरी की जांच में कोतवाली नाकाम, अन्य थाने सफल

डेढ़ महीने बीतने की कगार पर, केवल उज्जैन-सांवेर, नीमच घुम कर इतिश्री

मंदसौर, 27 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। पिछले महीने जुलाई माह की 14 तारीख की सुबह दशरथ नंगर में बड़ी चोरी होने के घटनाक्रम का पता चला। यह चोरी सूर्खियों में फैली। बंगले पर चोरी की घटना को डेढ़ महीना बितने की कगार पर है। लेकिन, हालत यह है कि कोतवाली के होनहारों लगातार नाकाम सिद्ध हो रहे हैं। जबकि अन्य थानों के होनहारों को चोरी प्रकरण ट्रेस करने में सफलता मिल रही है। कोतवाली के होनहार केवल उज्जैन व सांवेर तथा नीमच व अन्य जगहों पर घुम फिरकर लौटती रही है। अब तो अन्य कार्यों में व्यस्तता की बात कही जा रही है। बंगले पर चोरी प्रकरण में चोरों ने एक तरह से कोतवाली पुलिस को चुनौती दी है।

बता दें कि बंगले पर चोरी होने की सूचना कोतवाली के पास पहुंची थी, तब से लगाकर इस चोरी की घटना को हुए एक माह 10 दिन बीत चुके हैं। कोतवाली के कारिन्दों के हाथ खाली के खाली ही हैं। यह और बात है कि कोतवाली के होनहार अपने तय बदमाशों की निगरानी कर रहे हैं, लेकिन ये निगरानी बंगले पर हुई चोरी के पतारसी के बाहर साबित हो रही है। कोतवाली के होनहारों की एक टीम उज्जैन और सांवेर तक घुमकर लौट चुकी है। उन्हें लगा था कि यहां से कुछ न कुछ हासिल हो सकेगा, लेकिन आपसी दोस्ती कर टीम मंदसौर पहुंच गई। बदमाशों का सुराग जुटाने में कोतवाली पुलिस नाकाम रही हैं। एक तरह से बंगले पर हुई चोरी को ट्रेस करने की गतिविधि कोतवाली के होनहारों के लिए चुनौती बनकर उभरी है।

चाबी थी तो भारी भरकम तिजोरी क्यों उठाकर ले गए थे बाहर–दशरथ नगर में सराफा व्यापारी अभय पोरवाल के बंगले को बदमाशों की टीम ने चोरी की वारदात को अंजाम देने के लिए क्यों चुना, इस पर भी असमंजस बरकरार है। क्योंकि बदमाशों की टीम भारी भरकम तिजोरी को बंगले से उठाकर बाहर तक ले गई थी। यहां चोबी से तिजोरी खाली गई है। ऐसे में यह तो समझा जा सकता है कि चोरों ने रैकी की है। इसके बाद भी कोतवाली पुलिस सीसीटीवी कैमरे की फूटेज में उलझी हुई है। केमरे खंगालने की बात दोहराई जाती रही है, लेकिन वास्तविकता में जांच में मेहनत कौन करें, यह बात सामने आने लगी है। कोतवाली के होनहारों ने बंगले के वर्तमान और पूर्व के नौकरों से भी पूछताछ की है, इसमें भी सुराग जुटाने में वे नाकाम रहे। बता दें कि मौके पर सबूत जुटाने के लिए सीएसपी व कोतवाली निरीक्षक ने जायजा लिया था। इसके बाद भी हाथ खाली के खाली ही हैं। ऐसे में चोर कैसे पकड़े जाएंगे, इस पर भी प्रश्नचिन्ह लगता जा रहा है। हालांकि, सायबर सेल की टीम इस संबंध में गुत्थी सुलझाने के लिए प्रयासरत थीं। लेकिन, लगने लगा है कि सायबर सेल के सारे प्रयासों में नाकामी हाथ लग रही है। माना जा रहा है कि इसमें तकनीकी दिमाग नहीं लग पाया है।

एक्सीडेन्ट करने एवं 64 किलो डोडा चूरा बरामदगी में आया फैसला...

डोडाचूरा तस्कर को 10 वर्ष की सश्रम कैद, एक लाख जुर्माना भी

मंदसौर, 27 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। एनडीपीएस एक्ट के विशेष न्यायाधीश ने आरोपी कृष्णा उर्फ छोटू पिता कमलसिंह ठाकुर 27 वर्ष को दस वर्ष के सश्रम कारावस की सजा से दंडित किया है। आरोपी ग्राम व थाना पिपरिया जिला होशंगाबाद का रहने वाला है, जो 64 किलो डोडा चूरा की तस्करी करते पकड़ा गया था। दोष सिद्ध होने पर सजा के साथ आरोपी पर एक लाख रूपए जुर्माने से भी दंडित किया गया है।

अभियोजन मीडिया सेल प्रभारी दीपक जमरा ने प्रकरण के संबंध में बताया कि दिनांक एक मार्च 2020 को पुलिस थाना अफजलपुर में पदस्थ उपनिरीक्षक आरएस पंवार मय फोर्स अफजलपुर फंटे पर वाहन चेकिंग ड्यूटी कर रहे थे। तभी थाना प्रभारी द्वारा बताया गया कि डिगांव-बांछड़ा डेरा के यहां पर एक्सीडेंट हो गया है फिर वह घटना स्थल डिगांव-बांछड़ा डेरा सीतामऊ पहुंचे। जहां सफेद रंग की स्विफ्ट कार बांछड़ा डेरा के पास दुर्घटनाग्रस्त हालत में खाई में गिरी हुई मिली थी। जिसकी नंबर प्लेट पर डीएल 06/सीएम 1466 लिखा हुआ था। पास में 2 व्यक्ति खड़े हुए थे। जिनसे घटना के बारे में चर्चा की गई तो उन्होंने कार के चालक को तेज गति व लापरवाही से चलाते हुए मोटरसाइकिल को टक्कर मार देना बताया था एवं यह भी बताया था कि बाईक वाले को सरकारी अस्पताल मंदसौर ले गए हैं। कार चालक व ड्राईवर के पास बैठे व्यक्ति कार से निकल कर ग्राम पानपुर की तरफ खेतों में भाग गए है। उपनिरीक्षक आरएस पंवार व फोर्स द्वारा कार की तलाशी लिए जाने पर कार की डिक्की खोलकर देखने पर अंदर 3 काले रंग के प्लास्टिक के बोरे मिले, जिन्हें बाहर निकालकर चेक किया तो तीन ही बोरों में भूरे रंग का अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा होना पाया गया। तौल किये जाने पर कुल वजन 64 किलो डोडाचूरा मिला। मौके की संपूर्ण कार्रवाई उपरांत जब्तशुदा डोडाचूरा कार सहित थाना लौटकर फरार आरोपी कृष्णा कुमार एवं अजयराज के विरूद्ध अफजलपुर थाने पर एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया। अनुसंधान कार्रवाई पूर्ण कर अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। विचारण के दौरान प्रकरण में न्यायालय के समक्ष विशेष लोक अभियोजक द्वारा रखे गए तथ्यों व तर्कों से सहमत होकर साक्ष्य के आधार पर न्यायालय द्वारा आरोपी को दोषसिद्ध किया। प्रकरण में अभियोजन का सफल संचालन विशेष लोक अभियोजक दीपक जमरा द्वारा किया गया।

बारिश का दौर थमा, सितंबर से तेज बारिश के सिस्टम...

गांधीसागर 1303.68 फीट भराया, 1312 है क्षमता

मंदसौर, 27 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। मंगलवार को बारिश में ब्रेक लिया। बूंदाबांदी के रूप में कुछ समय बारिश जरुर हुई। पिछले तीन-चार दिनों से एक्टिव बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम अब थोड़ा कमजोर पड़ गया है। इस वजह से अगले 2 दिन तेज बारिश का अलर्ट नहीं है। वर्तमान में जिले में बारिश का दौर थमा रहेगा। एक दो स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है। जिले में पिछले तीन दिनों में हुई बारिश ने औसत बारिश का करीब 84 फीसदी कोटा पूरा कर दिया है। बता दें कि गांधीसागर बांध का जलस्तर 1303.68 फीट पहुंच गया है। बांध की क्षमता 1312 फीट के करीब है। इसके पूर्व 1307-8 तक जलस्तर पर जाने पर गेट खोले जाते हैं। यह स्थिति बारिश को देखकर होती है। वर्ष 2019 में हुई अत्यधिक बारिश व बांध के गेट से पानी छोड़े जाने में हुई लापरवाही के बाद से यहां का जल संसाधन विभाग कोई कोताही नहीं बरतना चाहता है।

अब तक जिले में 27.53 इंच औसत बारिश दर्ज की गई है। जिले की औसत बारिश 33 इंच है यानी कि अब औसत से साढ़े 5 इंच पिछड़े हुए है। 29-30 अगस्त से एक और स्ट्रांग सिस्टम एक्टिव हो रहा है। इसका भी असर देखने को मिलेगा। सीनियर मौसम वैज्ञानिक प्रकाश दामले ने बताया, 'मानसून ट्रफ, डीप लो प्रेशर एरिया, साइक्लोनिक सर्कुलेशन और वेस्टर्न डिस्टरबेंस की वजह ... शेष पेज 4 पर

33 केवी बिजली लाइन की चपेट में आने से हुआ हादसा...

टनों वजनी पुराने टायरों से भरे ट्रक में आग लगी, उठी ऊंची लपटें

गुजराज के वापी से भरकर लाए थे पुराने टायर, टायर फेक्टरी से सौ मीटर पहले हुआ हादसा

मंदसौर, 27 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। भानपुरा थाने के तहत ग्राम सानड़ा और संधारा के बीच बरड़ी गांव के निकट पुराने टायरों से भरे एक ट्रक में आग लग गई। आगजनी की स्थिति भांपकर ड्राईवर और अन्य दो लोग ट्रक से कूदकर भागे, इस कारण कोई जनहानि नहीं हो पाई। लेकिन, पुराने टायर ट्रक में भरे होने से आग तेजी से फैली। ऊंची लपटें भी उठी। फायर बिग्रेड को भी बुलाया गया, लेकिन उससे आग बुझ नहीं पाई। अंततः पूरा ट्रक टायरों सहित जलकर स्वाहा हो गया। ट्रक में टनों वजनी पुराने टायर थे, जो गुजरात के वापी से लोड हुए थे और भानपुरा लाया गया था।

भानपुरा थाना पुलिस के अनुसार सानड़ा गांव के समीप पुराने टायरों को जलाकर ऑईल निकालने संबंधी फेक्टरी है। ट्रक क्रमांक आरजे 09 जीसी 8295 में गुजरात से करीब 20 टन पुराने टायर भरने की बात बताई जा रही है। ट्रक वापी जिले से 25 अगस्त को चला था। 800 किलोमीटर दूर क्षेत्र से टायर भरकर भानपुरा तक लाया गया, लेकिन जिस फेक्टरी में इन्हें खाली कराया जाना था, उसके करीब 100 मीटर पूर्व ही आगजनी की घटना हो गई। बताते हैं कि इस रास्ते पर 33 केवी बिजली लाईन भी जा रही है। ट्रक में लोड अत्यधिक होने से हाईटेंशन लाईन की चपेट में ट्रक आ गया। इससे शार्ट सर्किट हुआ और आग लगी तथा ट्रक में आग लग गई। आगजनी की सूचना मिलने पर भानपुरा से फायर फायटर बुलाया गया, आग बुझाने के सारे प्रयास नाकाम रहे। पुराने टायरों से भरा ट्रक कुछ ही देर में धूं-धूं कर जलने लगा। ट्रक में करीब 2 घंटे तक आग की लपटे उठती रही। गरोठ एसडीओपी राजाराम धाकड़ ने बताया कि सानडा गांव में टायर ऑईल फैक्टरी है। यहां पुराने खराब व अनुपयोगी टायरों से ऑईल निकाला जाता है। रास्ते में निकल रही 33 केवी विद्युत लाइन की चपेट में आने से ट्रक में आग लग गई।

भानपुरा का ही है ट्रक मालिक, ओवरलोड रहा वजन-बताते हैं कि ट्रक मालिक भानपुरा का ही निवासी है। ट्रक में भरे टायरों की कीमत 6 से 7 लाख रूपए आंकी जा रही है। गनीमत रही कि आगजनी की घटना गांव में नहीं हो पाई, नहीं तो परेशानी ज्यादा रहती। गांव के बाहर रास्ते पर आग लगी थी। फेक्टरी घटनास्थल से केवल सौ मीटर दूर ही बताई गई है, इसके पूर्व ही आग लग गई। ट्रक ड्राईवर सुरेश पिता प्रहलाद गुर्जर है जो भानपुरा थाने के ही प्रेमपुरिया गांव का निवासी है। हादसे के तुरंत बाद वो और अन्य दो युवक ट्रक से तुरंत कूदकर बाहर आ गए। यदि ट्रक में करंट फैलता तो स्थिति विकट होने की आशंका थी।

टायर ऑईल फेक्टरी में एक मजदूर की हो चुकी है मृत्यु-बता दें कि सानड़ा के समीप इस टायर ऑईल फेक्टरी में बीते वर्षों में एक मजदूर की मृत्यु तक हो चुकी है। फेक्टरी में हुए इस हादसे को लेकर ग्रामीणों ने भी अपने स्तर पर कई आपत्तियां उठाई थी। हालांकि, मजदूर राजस्थान के झालरापाटन का निवासी था, ऐसी स्थिति में समय के साथ यह मामला ठंडा हो गया। बताते हैं कि तब हादसा फेक्टरी का बॉयलर फटने से हुआ था। मंगलवार सुबह हुई ट्रक में आगजनी की घटना से ग्रामीणों में विरोध के स्वर थे। यह भी चर्चा रही थी कि फेक्टरी को यहां से हटाया जाए, क्योंकि इसके प्रदूषण से सभी परेशान हैं।

सोयाबीन की लागत हुई दोगुनी, दाम नहीं बढ़े, रकबा घटा...

एक दशक पूर्व जो दाम सोयाबीन के थे, वही दाम अभी भी यथावत

मंदसौर, 27 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। हाल ही में किसानों द्वारा सोयाबीन खेत में ही नष्ट करने के मामले सामने आए है। इसका कारण है कि बारह साल पहले जो दाम किसानों को मिल रहे थे, वहीं दाम अभी भी मिल रहे हैं। इधर, लागत और महंगाई की बात करें तो दोगुनी हो चुकी है। किसानों के अनुसार अभी सोयाबीन के दाम 4000 से 4300 प्रति क्विंटल पर बिक रही है जो साल 2012 के आसपास के दाम हैं। साथ ही न्यूनतम समर्थन मूल्य एमएसपी पर खरीद नहीं होने से लागत भी नहीं निकल पाती।

किसानों के मुताबिक अभी पिछले साल की उपज बाजारों में आ रही है और 15 सितंबर के बाद से ही नई उपज आएगी। अभी बाजारों में मूल्य औसत रूप से औसत 4200 रुपए प्रति क्विंटल है। बारिश से भीगी उपज आने पर दाम और भी कम हो सकते हैं।

प्रति एकड़ लागत 20 से 22 हजार–किसानों के अनुसार प्रति एकड़ 20 से 22 हजार रुपए लागत आती है, जबकि अभी के मूल्य पर 18 हजार से 19 हजार ही आय हो रही है। अभी 12 साल पुराने रेट मिल रहे हैं। आयत शुल्क घटाने से सोयाबीन के दाम गिरे हैं। गिरते मूल्य की वजह से किसान इसकी खेती छोड़ रहे हैं।

12 साल में एमएसपी 2240 रु. से 4892 रुपए, पर खरीदी नहीं–साल 2012-13 में सोयाबीन के लिए एमएसपी 2240 रुपए प्रति क्विंटल थी, जो अब बढ़कर 4892 रुपए प्रति क्विंटल हो चुकी है। सरकार ने सोयाबीन का 4892 रुपए प्रति क्विंटल की दर से एमएसपी रखा है पर प्रदेश में इसकी सरकारी खरीद नहीं होती है। इसकी मुख्य वजह है कि सरकार के पास सार्वजनिक वितरण प्रणाली और तेल उत्पादन जैसी सरकारी सुविधाएं नहीं हैं।

इनका कहना–मप्र में किसान हितैषी सरकार है। सोयाबीन के किसानों की मदद के पूरे प्रयास करेंगे। उनको नुकसान से बचाया जाएगा।

एंदलसिंह कंसाना, कृषि मंत्री, मप्र

नौवीं कक्षा में गणित पेपर के दो विकल्प...

बिना ब्लू प्रिंट के छात्र परेशान

मंदसौर, 27 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। बोर्ड के सरकारी व निजी स्कूलों में इस साल से नौवीं कक्षा में गणित के दो विकल्प बेसिक व उच्च गणित होंगे। दोनों विकल्पों के प्रश्न पत्रों का स्वरूप कैसा होगा, यह अभी तय नहीं है। हालांकि माध्यमिक शिक्षा मंडल ने नौवीं से 12वीं तक के सभी विषयों के अंक योजना और पाठ्यक्रम को जारी कर दिया है, लेकिन अभी तक प्रश्न पत्रों का ब्लू प्रिंट तैयार नहीं हुआ है। इससे विद्यार्थी परेशान हैं। इधर, नौवीं से 12वीं तक की तिमाही परीक्षा 18 सितंबर से शुरू होने जा रही है। ऐसे में नौवीं कक्षा के विद्यार्थी असमंजस में हैं कि गणित के दोनों विकल्पों के प्रश्न पत्रों का स्वरूप कैसा होगा। बता दें कि अगले सत्र से 10वीं में भी गणित के दो विकल्प होंगे।

दोनों विकल्पों का पाठ्यक्रम एक समान–गणित के शिक्षकों का कहना है कि वे अभी दोनों विकल्पों के विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम की किताब एक ही है, लेकिन किसी तरह के प्रश्न होंगे, यह समझ नहीं आ रहा है। अभी तक ... शेष पेज 4 पर

विचार-मंथन

हमारी प्रतिक्रियाएं संयमित और मापी जानी चाहिएं। एक मुद्दा है जिससे दोनों पक्षों को सावधानीपूर्वक निपटने की आवश्यकता होगी। यह भारतीय सुरक्षा एजेंसियों से जुड़े होने के संदेह वाले व्यक्तियों द्वारा कनाडा और अमरीका में खालिस्तानी तत्वों की हत्या और हत्या के प्रयास के आरोपों से संबंधित है। अमरीकी न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा बनने से इस मुद्दे से निपटना अब जटिल हो गया है। इसे उस सांझेदारी पर हावी होने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए जो अनिश्चित और अप्रत्याशित दुनिया में भू-राजनीतिक आधार बन गई है।

अमरीकी चुनाव में बदलाव और भारत

कमला हैरिस को औपचारिक रूप से नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए डैमोक्रेटिक पार्टी का उम्मीदवार नियुक्त किया गया है। शिकागो में आयोजित डैमोक्रेटिक पार्टी कन्वैंशन हैरिस के उल्लेखनीय रूप से सफल अभियान की परिणति को चिह्नित करेगा, जो मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडेन के तहत एक विनम्र और पैदल चलने वाली राजनीतिक शख्सियत और ज्यादातर अदृश्य उप-राष्ट्रपति के रूप में उनकी छवि को तोड़ देगा। एक बार जब बाइडेन अपनी पार्टी में दौड़ से हटने के दबाव के आगे झुक गए तो डैमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार के रूप में उनका त्वरित और निर्विरोध समर्थन अप्रत्याशित था। उनके अभियान में नकदी की जो बाढ़ आनी शुरू हुई वह लगभग शानदार थी। हफ्तों तक बाइडेन प्रशासन के अंदरूनी सूत्रों ने इस बात पर जोर दिया था कि राष्ट्रपति को दूसरे कार्यकाल के लिए प्रयास करना होगा क्योंकि उनके स्थान पर अनुपस्थिति पसंद कमला हैरिस होंगी जो 'राष्ट्रपति पद के लिए तैयार नहीं' थीं और डोनाल्ड ट्रम्प को रोक नहीं सकती थीं। चुनावों में आसान जीत से रिपब्लिकन उम्मीदवार और अब जनमत सर्वेक्षणों में वह ट्रम्प से आगे चल रही हैं। राजनीतिक गति उनके पक्ष में है। उन्होंने पूरे देश में एक अच्छा माहौल पैदा किया है और अभियान के लिए बचे 6 हफ्तों में किसी भी गंभीर गलत कदम को छोड़कर, वह अमरीका की पहली महिला राष्ट्रपति और मिश्रित नस्ल की राष्ट्रपति बन सकती हैं। वह पुरस्कार के इतने करीब पहुंच गई हैं, जो कभी-कभी भारी बाधाओं के बावजूद राजनीतिक नवीनीकरण के लिए उल्लेखनीय अमरीकी क्षमता का प्रमाण है। दुनिया के अधिकांश लोगों के लिए कमला हैरिस का अमरीकी राष्ट्रपति बनना एक बड़ी राहत की अनुभूति लेकर आएगा। भारत में, किसी ने उम्मीद भी नहीं की होगी कि एक अमरीकी राजनीतिक नेता का उल्लेखनीय उदय, जो उतना ही भारतीय-अमरीकी है जितना कि वह अश्वेत अमरीकी है, अब तक प्रदर्शित होने की तुलना में कहीं अधिक रुचि और आत्मीयता की भावना पैदा करेगा। विदेशों में भारतीय मूल के लोगों की सफलता का जश्न मनाते हुए गर्व की अभिव्यक्तियां अवश्य सुनी जाती हैं। भारत में उनके पारिवारिक संबंधों और नए जीवन की तलाश में उनकी मां की अमरीका यात्रा पर कुछ कहानियां हैं। अमरीका में उनकी अपनी राजनीतिक यात्रा की कहानी में अधिक रुचि पैदा होनी चाहिए थी लेकिन ऐसा नहीं है। यह असामान्य है। अगले साल जनवरी में जो भी प्रशासन कार्यभार संभालेगा, भारत को उससे निपटना होगा। ट्रम्प के नेतृत्व वाला रिपब्लिकन या हैरिस के नेतृत्व वाला डैमोक्रेटिक। अमरीका में दोस्तों से बात करते हुए, कभी-कभी सुनने को मिलता है कि डैमोक्रेट्स के बीच यह धारणा है कि वर्तमान भारतीय जनता पार्टी की सरकार हैरिस के नेतृत्व वाले डैमोक्रेटिक प्रशासन के बजाय ट्रम्प प्रशासन को प्राथमिकता देगी यदि ट्रम्प राष्ट्रपति के लिए नियुक्त हो जाते हैं। यदि ऐसा है तो ऐसी किसी भी धारणा को दूर करने का प्रयास किया जाना चाहिए। यह मददगार होगा अगर अगले महीने न्यूयॉर्क में भविष्य के लिए संयुक्त राष्ट्र शिखर सम्मेलन के लिए अमरीका की अपनी आगामी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुश्री हैरिस से जुड़ने का अवसर तलाशें। पिछले एक दशक में भारत-अमरीका संबंधों ने अभूतपूर्व विस्तार और गहराई हासिल की है। हालांकि बंगलादेश जैसे विशिष्ट मुद्दों पर मतभेद हो सकते हैं। दोनों देशों के बीच समग्र रणनीतिक अभिसरण बरकरार है। दोनों में से कोई नहीं चाहता कि इंडो-प्रशांत क्षेत्र पर चीन का प्रभुत्व हो। विकास के अपने वर्तमान चरण में, नागरिक और रक्षा दोनों क्षेत्रों में अत्याधुनिक अमरीकी प्रौद्योगिकी तक भारत की पहुंच महत्वपूर्ण है। अमरीका भारत के लिए एक प्रमुख बाजार बना हुआ है खासकर सेवा क्षेत्र में, और अमरीकी पूंजी प्रवाह भारत की विकास कहानी में एक महत्वपूर्ण कारक बन गया है। वर्षों से, भारत को अमरीका में द्विदलीय समर्थन प्राप्त हुआ है और इस संपत्ति को बरकरार रखा जाना चाहिए और सभी राजनीतिक व नागरिक समाज की भागीदारी के माध्यम से पोषित किया जाना चाहिए। जैसा कि अतीत में होता रहा है।

सरकार बार-बार बैकफुट पर क्यों

ऋतुपर्ण दवे

मोदी-शाह जानते हैं कि उनके मजबूत सहयोगी जे.डी.यू. और टी.डी.पी. अपने-अपने राज्यों में कट्टर सैकुलर समर्थक हैं। किसी भी दशा में अल्पसंख्यकों का विरोध नहीं लेंगे। यही उनकी पहचान भी है। अल्पसंख्यकों के हितों में बड़े-बड़े फैसले और योजनाएं दोनों राज्यों में लगातार जारी हैं। इतना सब जानते हुए भी मोदी सरकार का अपने तीसरे कार्यकाल में ऐसा बार-बार कर बैकफुट पर आना कोई रणनीति तो नहीं? इसी अगस्त में 4 मामलों में सरकार का फैसला बदलना या यू-टर्न बताता है कि यह अनजाने में लिया गया फैसला नहीं हो सकता। बजट भाषण में वित्त मंत्री ने लॉन्ग टर्म और शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन टैक्स में बदलाव की घोषणा के साथ संपत्ति की बिक्री के लिए इंडैक्सेशन लाभ को भी समाप्त करने का प्रस्ताव रखा। इसका इतना जबरदस्त विरोध दिखा कि प्रावधानों में संशोधन करना पड़ा और नए-पुराने दोनों टैक्स सिस्टम में से किसी एक को चुनने का विकल्प देना पड़ा। इसी तरह वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक लाया गया। जिसमें वक्फ संपत्ति का जिला कलैक्टर कार्यालय में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य कराने तथा मूल्यांकन कराने का प्रावधान किया गया। अधिनियम बनने से पहले या बाद में ऐसी वक्फ संपत्ति जो सरकारी रही हो, वक्फ की नहीं मानी जाएगी। संपत्ति तय करने का अधिकार कलैक्टर को दिया गया जो अंतिम फैसला लेंगे। इसका पक्ष-विपक्ष ने विरोध किया जिसके बाद जे.पी.सी. को सौंपा गया। हालांकि अगले संसद सत्र तक देखना होगा कि सबका रुख क्या होगा? फिलहाल अंदर ही अंदर चाहे नीतीश हों या चिराग या फिर टी.डी.पी. इन्हें कैसे राजी किया जाएगा और जे.पी.सी. रिपोर्ट में क्या आता है। इसी तरह सरकार द्वारा लाए गए ब्रॉडकास्टिंग बिल-2024 पर सरकार ने अपने पैर खींच लिए। इससे डिजिटल न्यूज पब्लिशर्स और इंडीविजुअल कंटैंट क्रिएटर्स जबरदस्त तनाव में थे। विपक्ष भी इसको हवा दे रहा था। ओ.टी.टी. प्लेटफार्म्स और डिजिटल कंटैंट क्रिएटर्स सभी का कहना था कि बिल से एक तरह की सैंसरशिप की तैयारी है। इसके आने के बाद सरकार की कड़ी आलोचना हुई। इसे निजता का उल्लंघन बता, दुरुपयोग की संभावनाओं के चलते विरोध किया गया। प्रैस की स्वतंत्रता के लिए घातक बताया गया। विरोध के बाद इसे भी होल्ड कर दिया गया और विचार-विमर्श के बाद नए ड्राफ्ट की बात कह एक तरह से ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। इसी तरह सबसे ज्यादा हल्ला लैटरल एंट्री को लेकर 17 अगस्त को प्रकाशित संघ लोक सेवा आयोग के उस विज्ञापन के बाद हुआ जिसमें ऐसी नियुक्तियों में आरक्षण

की अनदेखी को खास मुद्दा बनाया गया। हालांकि साल 2018 में पहली बार मोदी सरकार ने कई नियुक्तियां की थीं। तब से लेकर अब तक 63 नियुक्तियां हो चुकी हैं। इसमें 35 प्राइवेट सैक्टर से हैं। जुलाई तक लैटरल एंट्री से आए 57 लोग अपने पदों पर काम कर रहे थे। लेकिन 17 अगस्त को 45 नई नियुक्तियों के एकमुश्त विज्ञापन से राजनीतिक बवाल शुरू हो गया। सामाजिक न्याय और वंचित वर्ग के विरुद्ध सरकारी दुष्चक्र बता पीछे के दरवाजे से चहेतों को एंट्री देने का आरोप भी लगा। चिराग पासवान ने तो खुलकर विरोध में अपना पक्ष रखा। 20 अगस्त को केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने संघ लोकसेवा आयोग को चिट्ठी भेजकर विज्ञापन रद्द करने को कहा। इसे प्रधानमंत्री की नजर में समानता और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों पर आधारित होना था, बताकर मामले का पटाक्षेप किया। महज अगस्त माह में ही सरकार के चार मामलों में बैकफुट पर आने को राजनीतिक चश्मे से अलग-अलग देखा जा रहा है। लेकिन ऐसा भी नहीं कि पूर्ण बहुमत में रहते हुए मोदी सरकार ने कभी फैसले वापस न लिए हों। 2014 में सत्ता में आकर साल भर बाद 2015 में भूमि अधिग्रहण कानून पर पुनर्विचार की मांग को स्वीकारते हुए 6 विवादास्पद संशोधनों को वापस लिया था। 2021 में 3 कृषि कानून वापस लिए। 2022 में डाटा प्रोटैक्शन बिल वापस लिया जिस पर जे.पी.सी. ने बाद में 81 संशोधनों की सिफारिश की। हां, अब सरकार पहले की तरह कड़े और बड़े फैसले ले पाने में खुद को असहाय बताकर कौन-सा नया दाव खेल रही है यह तो नहीं पता। लेकिन सरकार के बार-बार बैकफुट पर आने की बड़ी वजह जरूर है।

शायद यह भावनात्मक मुद्दे में बदले? फिलहाल 3 राज्यों सहित उत्तर प्रदेश के उप-चुनावों के नतीजों का इंतजार लगता है। कहते हैं राजनीति में जो दिखता है वह होता नहीं और जो होता है वह दिखता नहीं! क्या मतदाताओं को मोदी-शाह की जोड़ी कोई बड़ा संदेश दे रही है? भाजपा को पूर्ण बहुमत न देकर बैसाखियों के सहारे बड़े और कड़े फैसले न ले पाने को मजबूरी के मायने से राजनीति में कहीं नई लहर पैदा करने के लिए शह और मात का दाव तो नहीं? इंतजार कीजिए राजनीति में कुछ भी असंभव नहीं?

आने वाले दिनों में सकारात्मक परिणाम मिलने की उम्मीद

हम आपको बता दें कि अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ रूस-यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान पर बातचीत की है जिसके सकारात्मक परिणाम आने वाले दिनों में मिलने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज युद्धग्रस्त देश यूक्रेन की ऐतिहासिक यात्रा की और इस बात को दोहराया कि भारत का दृढ़ता से यह मानना है कि युद्ध के मैदान में किसी समस्या का हल नहीं निकलता। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि किसी भी संकट में निर्दोष लोगों की जान जाना पूरी मानवता के लिए बड़ी चुनौती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि शांति के प्रयासों में भारत सतत भूमिका निभाएगा। उन्होंने रूस और यूक्रेन को बिना समय गंवाए बातचीत करने की भी सलाह दी। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री की इस यात्रा पर दुनिया भर की निगाहें रहीं। खास बात यह रही कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इस बात के निर्देश दे रखे थे कि जब तक मोदी यूक्रेन में हैं तब तक वहां कोई हमला नहीं किया जाये। इसके चलते आज यूक्रेन में कहीं भी सायरन की आवाज नहीं सुनाई दी बल्कि अमन और चैन नजर आ रहा था। हम आपको याद दिला दें कि जब रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू हुआ था तब प्रधानमंत्री मोदी की अपील पर ही युद्ध को कुछ समय के लिए रोका गया था।

दलित वोटों की लड़ाई में सपा-बसपा आमने-सामने

अजय कुमार

सपा प्रमुख अखिलेश यादव दावा कर रहे हैं कि पिछले दरवाजे से आरक्षण को नकारते हुए नियुक्तियों की साजिश आखिरकार पीडीए की एकता के आगे झुक गई। मतलब यह है कि फैसला केंद्र ने वापस लिया लेकिन अखिलेश और मायावती खुद इसका क्रेडिट ले रहे हैं। वैसे सियासत इसी को कहा जाता है। मोदी सरकार ने उच्च पदों पर नौकरियों में सीधी भर्ती (लेटरल एंट्री) का अपना एक फैसला क्या वापस लिया, विपक्ष ने इसे मोदी को घेरने का हथियार बना लिया। पूरा विपक्ष अपनी पीठ ठोंक रहा है। पीठ ठोंकने वालों में यूपी के नेता मायावती और अखिलेश यादव सबसे आगे नजर आ रहे हैं। बसपा सुप्रीमो मायावती और सपा प्रमुख अखिलेश यादव को तो लगता है कि इससे यूपी की राजनीति की धुरी ही बदल जायेगी। बसपा प्रमुख मायावती की प्रतिक्रिया आई थी कि उनके तीव्र विरोध के बाद सरकार ने सीधी भर्ती वाला निर्णय वापस लिया है। वहीं, सपा प्रमुख अखिलेश यादव दावा कर रहे हैं कि पिछले दरवाजे से आरक्षण को नकारते हुए नियुक्तियों की साजिश आखिरकार पीडीए की एकता के आगे झुक गई। मतलब यह है कि फैसला केंद्र ने वापस लिया लेकिन अखिलेश और मायावती खुद इसका क्रेडिट ले रहे हैं। वैसे सियासत इसी को कहा जाता है। वैसे यह पहली बार नहीं हुआ है कि परस्पर विरोधी बसपा और सपा नेताओं के सुर एक जैसे सुनाई पड़ रहे हों, इसी तरह के सुर आरक्षण में वर्गीकरण के मुद्दे पर भी देखने को मिले थे, जब बसपा ने बंद का समर्थन किया तो अखिलेश ने भी तुरंत इसके समर्थन में पोस्ट लिख कर अपना पक्ष रख दियस। बात यहीं तक सीमित नहीं है, आरक्षण से जुड़े हर मुद्दे पर मायावती और अखिलेश लगातार आक्रामक दिख रहे हैं। आखिर क्या वजह है कि आरक्षण के मुद्दे पर दोनों के सुर एक हैं? या दोनों के बीच एक रेस लगी हुई है कि दलितों और पिछड़ों का ज्यादा हितैषी कौन है? आखिर इस मुद्दे के जरिए मायावती और अखिलेश कौन-सी राजनीति साध रहे हैं? इस तमाम सवालों का जवाब समझने के लिए पिछले लोकसभा चुनाव से पहले की स्थितियों और नतीजों पर गौर करना जरूरी है। यूं तो संविधान और आरक्षण बसपा का कोर मुद्दा रहे हैं लेकिन पिछले लोकसभा चुनाव से पहले सपा ने कांग्रेस के साथ गठबंधन करके पीडीए (पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक) का जो नारा और इंडिया गठबंधन में शामिल होकर संविधान की रक्षा का मुद्दा भी जोर-शोर से उठाया था, उसका फायदा जब इंडिया गठबंधन को मिला तो बसपा सुप्रीमों को अपना राजनैतिक भविष्य अंधकार में नजर आने लगा। इससे पहले मायावती को भी यह उम्मीद नहीं थी कि सपा का यह दांव इतना अधिक कारगर होगा। नतीजे आए तो सपा ने यूपी में अकेले 37 सीटें जीत लीं। साथ में कांग्रेस को भी छह सीटों पर जीत हासिल हुई और बसपा का सफाया हो गया। वोट प्रतिशत भी खिसक कर मात्र करीब साढ़े नौ प्रतिशत पर आ गया। इससे साफ हो गया कि सपा के द्वारा बसपा के दलित वोट बैंक में बड़ी सेंधमारी कर ली गई है। तब से मायावती की एक ही कोशिश है कि किसी तरह अपना दलित वोटबैंक वापस लाया जाए। इसके लिए मायावती लगातार दलित हितों से जुड़े मुद्दे उठा रही हैं। इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने एससी-एसटी आरक्षण में वर्गीकरण पर अपना मत दिया, तो मायावती की उम्मीद को पंख लग गये। मायावती ने तुरंत इस मुद्दे को लपक लिए। सबसे पहले उनकी प्रतिक्रिया आई। इसे पूरी तरह गलत ठहराते हुए उन्होंने भाजपा के साथ ही सपा-कांग्रेस सहित अन्य पार्टियों को भी घेरना शुरू कर दिया। वह संसद में संविधान संशोधन लाने की मांग पर अड़ गईं। इस मुद्दे पर उन्होंने दो बार प्रेस कॉन्फ्रेंस की और सोशल मीडिया के जरिए कई बयान दिए। शुरुआत में कांग्रेस ने इस पर सधी प्रतिक्रिया दी, लेकिन मायावती के आक्रामक रुख को देखते हुए सपा ने भी खुलकर मोर्चा खोल लिया। इसी बीच 69,000 शिक्षक भर्ती का मामला भी उठा,जिस पर सपा और बसपा दोनों ही आक्रामक दिखे। अखिलेश यादव को लगा कि अब यदि चुप रहे तो पिछले लोकसभा चुनाव में जो दलित वर्ग उनके साथ जुड़ा है, कहीं वापस बसपा में न चला जाए। उन्होंने सीधी भर्ती के मामले में 2 अक्टूबर को आंदोलन का ऐलान भी कर दिया। मायावती भी अपने बयानों के जरिए इस मुद्दे पर आक्रामक रुख बनाये हुए हैं।

दलित वोटों की लड़ाई में सपा-बसपा आमने-सामने

सपा प्रमुख अखिलेश यादव दावा कर रहे हैं कि पिछले दरवाजे से आरक्षण को नकारते हुए नियुक्तियों की साजिश आखिरकार पीडीए की एकता के आगे झुक गई। मतलब यह है कि फैसला केंद्र ने वापस लिया लेकिन अखिलेश और मायावती खुद इसका क्रेडिट ले रहे हैं। वैसे सियासत इसी को कहा जाता है। मोदी सरकार ने उच्च पदों पर नौकरियों में सीधी भर्ती (लेटरल एंट्री) का अपना एक फैसला क्या वापस लिया, विपक्ष ने इसे मोदी को घेरने का हथियार बना लिया। पूरा विपक्ष अपनी पीठ ठोंक रहा है। पीठ ठोंकने वालों में यूपी के नेता मायावती और अखिलेश यादव सबसे आगे नजर आ रहे हैं। बसपा सुप्रीमो मायावती और सपा प्रमुख अखिलेश यादव को तो लगता है कि इससे यूपी की राजनीति की धुरी ही बदल जायेगी। बसपा प्रमुख मायावती की प्रतिक्रिया आई थी कि उनके तीव्र विरोध के बाद सरकार ने सीधी भर्ती वाला निर्णय वापस लिया है। वहीं, सपा प्रमुख अखिलेश यादव दावा कर रहे हैं कि पिछले दरवाजे से आरक्षण को नकारते हुए नियुक्तियों की साजिश आखिरकार पीडीए की एकता के आगे झुक गई। मतलब यह है कि फैसला केंद्र ने वापस लिया लेकिन अखिलेश और मायावती खुद इसका क्रेडिट ले रहे हैं। वैसे सियासत इसी को कहा जाता है। वैसे यह पहली बार नहीं हुआ है कि परस्पर विरोधी बसपा और सपा नेताओं के सुर एक जैसे सुनाई पड़ रहे हों, इसी तरह के सुर आरक्षण में वर्गीकरण के मुद्दे पर भी देखने को मिले थे, जब बसपा ने बंद का समर्थन किया तो अखिलेश ने भी तुरंत इसके समर्थन में पोस्ट लिख कर अपना पक्ष रख दियस। बात यहीं तक सीमित नहीं है, आरक्षण से जुड़े हर मुद्दे पर मायावती और अखिलेश लगातार आक्रामक दिख रहे हैं। आखिर क्या वजह है कि आरक्षण के मुद्दे पर दोनों के सुर एक हैं? या दोनों के बीच एक रेस लगी हुई है कि दलितों और पिछड़ों का ज्यादा हितैषी कौन है? आखिर इस मुद्दे के जरिए मायावती और अखिलेश कौन-सी राजनीति साध रहे हैं? इस तमाम सवालों का जवाब समझने के लिए पिछले लोकसभा चुनाव से पहले की स्थितियों और नतीजों पर गौर करना जरूरी है। यूं तो संविधान और आरक्षण बसपा का कोर मुद्दा रहे हैं लेकिन पिछले लोकसभा चुनाव से पहले सपा ने कांग्रेस के साथ गठबंधन करके पीडीए (पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक) का जो नारा और इंडिया गठबंधन में शामिल होकर संविधान की रक्षा का मुद्दा भी जोर-शोर से उठाया था,उसका फायदा जब इंडिया गठबंधन को मिला तो बसपा सुप्रीमों को अपना राजनैतिक भविष्य अंधकार में नजर आने लगा। इससे पहले मायावती को भी यह उम्मीद नहीं थी कि सपा का यह दांव इतना अधिक कारगर होगा। नतीजे आए तो सपा ने यूपी में अकेले 37 सीटें जीत लीं। साथ में कांग्रेस को भी छह सीटों पर जीत हासिल हुई और बसपा का सफाया हो गया। वोट प्रतिशत भी खिसक कर मात्र करीब साढ़े नौ प्रतिशत पर आ गया। इससे साफ हो गया कि सपा के द्वारा बसपा के दलित वोट बैंक में बड़ी सेंधमारी कर ली गई है। तब से मायावती की एक ही कोशिश है कि किसी तरह अपना दलित वोटबैंक वापस लाया जाए। इसके लिए मायावती लगातार दलित हितों से जुड़े मुद्दे उठा रही हैं। इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने एससी-एसटी आरक्षण में वर्गीकरण पर अपना मत दिया, तो मायावती की उम्मीद को पंख लग गये। मायावती ने तुरंत इस मुद्दे को लपक लिए। सबसे पहले उनकी प्रतिक्रिया आई। इसे पूरी तरह गलत ठहराते हुए उन्होंने भाजपा के साथ ही सपा-कांग्रेस सहित अन्य पार्टियों को भी घेरना शुरू कर दिया। वह संसद में संविधान संशोधन लाने की मांग पर अड़ गईं। शुरुआत में कांग्रेस ने इस पर सधी प्रतिक्रिया दी, लेकिन मायावती के आक्रामक रुख को देखते हुए सपा ने भी खुलकर मोर्चा खोल लिया।

आज का राशिफल

मेष — [illegible]

वृषभ — [illegible]

मिथुन — [illegible]

कर्क — [illegible]

सिंह — [illegible]

कन्या — [illegible]

तुला — [illegible]

वृश्चिक — [illegible]

धनु — [illegible]

मकर — [illegible]

कुंभ — [illegible]

मीन — [illegible]

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5339

1		8			6	4		
		6		9		8		7
5								
2	6	9	5				8	
			4		9			
	8				2	7	9	1
								5
6		4		7		2		
		1	2			9		3

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5338

8	3	6	9	5	7	1	2	4
2	7	1	3	8	4	9	6	5
5	9	4	1	2	6	8	7	3
3	2	7	4	6	1	5	9	8
9	1	8	5	7	3	6	4	2
6	4	5	2	9	8	7	3	1
7	6	2	8	4	5	3	1	9
1	8	9	7	3	2	4	5	6
4	5	3	6	1	9	2	8	7

वर्ग पहेली 5339

संकेत: बाएं से दाएं

1. 23 मई 1984 को यह दुनिया की सबसे ऊंची एवरेस्ट को फतह करने वाली पहली भारतीय महिला बनी (5)
5. यह मध्यप्रदेश का एक जिला है, मौन नहीं इस जिले की महत्वपूर्ण नदी है (2)
6. दांत, दांत (2)
7. उपयुक्तता, तालमुक्तता, सामंजस्य (4)
9. [illegible] (5)
10. कोमल, नाम, मुलायम (3)
11. लक्षित, दाग लगा हुआ, अपमानित (2)
13. गर्म होना, [illegible] करना (3)
15. [illegible] (2)
16. [illegible] (4)
17. [illegible] (1)
18. यह शरीर की सबसे लंबी हड्डी है जो कूल्हों और घुटने के बीच स्थित होती है (3)
20. प्राप्त, आगत, [illegible], हासिल (2)
21. प्रसन्न, खुश, आनंदित (2)

ऊपर से नीचे

1. वर्षा होना, [illegible] (6)
2. [illegible] (2)
3. पुराणानुसार पृथ्वी के नीचे के सात लोकों में यह सातवां है यह वासुकि नाग का निवास स्थान है (3)
4. चुनौती देना, ललकारना, [illegible] (4)
5. आर्द्र, सील भरा, ओस (5)
8. [illegible] (2)
9. किसी का हक या अधिकार मारा जाना (5)
12. यह प्रसिद्ध लेखक जयदेव की काव्य रचना है (5)
14. [illegible] (3)
16. यह भारत की पहली रंगीन फिल्म थी जिसमें अशोक कुमार-मधुबाला की भूमिकाएं थीं (1949) [illegible] (3)
19. [illegible] (2)

वर्ग पहेली 5338 का हल

बिल्लोद शिवना नदी छोटा पुल पर 30 घंटे आवागमन बंद रहने के बाद फिर से शुरु

नाहरगढ़, 27 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। बारिश मे आये दिन आवागमन बंद से राहगीर व आमजन परेशान होता है। सुवासरा क्षेत्र को मल्हारगढ विधान सभा क्षेत्र से जोडने वाला प्रमुख सडक मार्ग है। नाहरगढ से मनासा - नीमच जाने वाला सडक मार्ग का आवागमन बंद सोमवार को सुबह तीन-चार बजे हुआ। जो 30 घण्टे आवागमन बंद रहने के बाद मंगलवार सुबह आठ -नो बजे खुला रास्ता। बिल्लोद के पास शिवना नदी पर बना छोटा पाईप पुल के कारण आना जाना बंद बारिश मे आऐ दिन हो जाता है। क्षेत्र की जनता की वर्षो से बड पुल बनाने की मांग जनप्रतिनिधि व जननेताओ से करती आ रही है। समस्या पर आज तक किसी ने ध्यान आकर्षित नही किया है। बिल्लोद शिवना नदी पर बडा पुल बनाने की जन चर्चा चौपाल-चौपाल व आमजन मे हो रही है। एक किलोमीटर दुर आने जाने के चक्कर मे चालीस-पचास किलोमीटर का सफर तय करना पढ रहा है। आमजन पर आर्थिक भार भी बढता है। शासन, प्रशासन व विभाग को जनहित की समस्या पर ध्यान देना चाहिए।

जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर ने दिव्यांग विष्णु लाल जाट को इलेक्ट्रिक ट्राइसिकल प्रदान की

विष्णु के साथ-साथ परिवार में इनकी बहन एवं पत्नी भी दिव्यांग, कलेक्टर की अपील से दानदाता दिलीप बिल्डकॉन ने इलेक्ट्रिक ट्राइसिकल दान की

मंदसौर, 27 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई के दौरान आवेदक श्री विष्णु लाल जाट ने इलेक्ट्रिक ट्राइसिकल के लिए कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग को आवेदन प्रस्तुत किया, श्री विष्णु मंदसौर जिले के ग्राम बेटी खेडी तहसील सीतामऊके रहने वाले है। चुकी श्री विष्णु लाल के साथ-साथ परिवार में दो व्यक्ति और दिव्यांग है। इनकी बहन फूल कुवर मानसिक दिव्यांग एवं पत्नी वर्षा भी दिव्यांग हैं। श्री विष्णु लाल स्वयं 50 प्रतिशत दिव्यांगता

की श्रेणी में आते है, लेकिन विभागीय नियमानुसार 80 प्रतिशत दिव्यांगता वाले ही पात्रता की श्रेणी में आते हैं, कलेक्टर के संज्ञान में आनें पर कलेक्टर ने उप संचालक सामाजिक न्याय को श्री विष्णु की मदद के लिए निर्देश दिए। साथ ही समाजसेवी एवं दान दाताओं को अपील कर उक्त आवेदनकर्ता के लिए इलेक्ट्रिक ट्राइसिकल उपलब्ध करवाने हेतु अपील की। इसके बाद दिलीप बिल्डकॉन उक्त व्यक्ति की मदद करने के लिए आगे आए तथा इलेक्ट्रिक ट्राइसिकल उपलब्ध करवाई गई। इलेक्ट्रिक ट्राइसिकल प्राप्त होने के पश्चात श्री विष्णु लाल बहुत खुश हुए। वे कहते हैं कि, इलेक्ट्रिक ट्राइसिकल खरीदना मेरे लिए बहुत मुश्किल था। मुझे आने-जाने में बहुत अधिक समस्याओं का सामना करना पडता था। लेकिन जनसुनवाई के माध्यम से कलेक्टर ने मेरी समस्या को सुना। दानदाता श्री दिलीप बिल्डकॉन ने मुझे इलेक्ट्रिक ट्राइसिकल दान की। इसके लिए मैं प्रशासन और दानदाताओं को धन्यवाद देता हूं। कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने सभी समाजसेवियों, दानदाताओं, एनजीओ से भविष्य में इस प्रकार के कार्य करने की अपील की है।

कन्या महाविद्यालय में श्री कृष्ण जन्माष्टी पर्व मनाया

मंदसौर, 27 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। शासकीय कन्या महाविद्यालय, मंदसौर की प्राचार्य डा.उमा गगरानी ने जानकारी दी कि महाविद्यालय में कृष्ण जन्माष्मी पर्व मनाया गया। मुख्य अतिथि श्री केशवदास प्रभू इस्कान टेम्पल, उज्जैन द्वारा भगवान श्री कृष्ण के जीवन दर्शन पर आधारित विषय पर अपने उद्बोधन में श्री कृष्ण के अवतरण का कारण बताते हुए कहा कि पृथ्वी पर बढते हुए अधर्म के अंत के लिए हुआ। चैरासी लाख योनियाँ में आत्मा का वास होता है। आत्मा और परमात्मा का संबंध बताते हुए कहा गया कि आत्मा शरीर बदलती है। शरीर कभी संतुष्टनहीं होता है, परन्तु आत्मा संतुष्ट होती है। आत्मा परमात्मा का रिश्ता अटूट है। हमारा सर्वस्व भगवान ने दिया है। संपूर्ण ब्राम्हण ईश्वर का है। आज के भौतिक युग मे हम परमात्मा को भूल गये है। हमें ईश्वर से प्रेम करना चाहिए न कि भौतिक संसाधनों से। हम वसुधैव कुटुम्बकम के विचार को प्रधानता दें। गुरू शिष्य की परंपरा का महत्व उजागर किया। सत्यमेव जयते-सत्य की सदा विजय होती है। श्री कृष्ण से हम आत्मा को जोडते है तो वे हमसे जुडते है। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री अनिलजी पाटीदार एवं विनोदजी पाटीदार भी उपस्थित थे। डा.पी.एल.पाटीदार प्राध्यापक वाणिज्य ने अतिथि परिचय देते हुए श्रीकृष्ण जन्माष्मी के अवसर पर सभी को बधाई देते हुए श्री कृष्ण के अनेक रूपों का वर्णन किया। भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा एवं श्री कृष्ण-सुदामा की मित्रता का प्रसंग भी सुनाया। अतिथियों का स्वागत महाविद्यालय की प्राचार्य डा.उमा गगरानी द्वारा किया गया। स्वागत उद्बोधन देते हुए आपने उपस्थित सभा को श्री कृष्ण जन्माष्मी की बधाई एवं शुभकामनायें दी। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डा.राजश्री ठाकुर ने अपने उद्बोधन में सभी को सत्य के साथी, अत्याचारियों का अंत करने वाले, गरीब सुदामा के सच्चे मित्र, द्रोपदी के चीर हरण के रक्षक, संकट के साथ निभाने वाले भगवान श्री कृष्ण के जन्मदिन पर बहुत-बहुत शुभकामनायें दी। हेमलता एवं रविना कुंवर सिसौदिया ने श्री कृष्ण जन्माष्मी पर भजन प्रस्तुत किये। कन्या छात्रावास में कृष्ण जन्माष्मी पर सजावट की एवं राधा कृष्ण का स्वरूप लेकर मटकी फोड का आयोजन अत्यधिक हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ इस्कान टेम्पल से आई टीम ने भगवान श्रीकृष्ण की स्तुति से किया। महाविद्यालय के स्टाफ एवं छात्राओं द्वारा श्रीकृष्ण एवं राधाजी की प्रतिमा को पुष्प्प अर्पित किये। उक्त व्याख्यान कार्यक्रम में महाविद्यालयीन स्टाफ एवं लगभग 60 छात्रायें उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन डा.अनुराग आर्य ने किया एवं आभार डा.राजश्री ठाकुर राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी ने माना।

सभी एसडीएम एवं सीईओ जर्जर भवन एवं बेसमेंट के संबंध में तुरंत कार्यवाही करें

मंदसौर, 27 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। प्रति मंगलवार की तरह साप्ताहिक जनसुनवाई कलेक्टर सभागार में आयोजित की गई। जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग ने लोगों की समस्या को सुना तथा मौके पर ही निराकरण किया। जनसुनवाई के दौरान 75 आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर ने सभी एसडीएम तथा सीएमओ को निर्देश देते हुए कहा कि जर्जर भवन को गिराने एवं बेसमेंटके संबंध में कार्यवाही तुरंत की जाए।अनुमति के बाद जिस कार्य के लिए बेसमेंट बनाया गया था, उस कार्य में उपयोग न होकर अन्य कार्यों में अगर उपयोग हो रहा है, तो तुरंत कार्यवाही करें। कृषि विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि खेतों में फसलों पर उत्पन्न हो रहे कीटों के लिए सर्वे करें। किसानों को सही सलाह प्रदान करें। जूम वीसी के माध्यम से सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों ने आम जनों की समस्या को सुना तथा निराकरण किया। जनसुनवाई के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री कुमार सत्यम, सभी जिला अधिकारी मौजूद थे।

ब्रह्माकुमारी आश्रम पर मनाया श्री कृष्ण जन्मोत्सव

मंदसौर, 27 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। श्री कृष्ण की जन्माष्मी के पावन पर्व पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के स्थानीय सेवा केंद्र आत्म कल्याण भवन तलेरा विहार पर भगवान श्री कृष्ण का जन्म उत्सव मनाया गया। इस कार्यक्रम में छाटे-छोटे बच्चे भगवान श्रीकृष्ण की वेशभूषा में श्रंगार करके आए थे। समारोह बीके श्यामा दीदी और बीके हेमलता दीदी के सानिध्य में मंदसौर नगर पालिका की लोक निर्माण सभापति श्रीमती निर्मला नरेश चंदवानी, भाजपा महिला मोर्चा की श्रीमती बिंदु चन्द्रे के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में छोटे-छोटे बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर भगवान श्रीकृष्ण व राधा की अनेक लीलाओ का मंचन किया। बच्चों की इन प्रस्तुतियों ने वहां मौजूद लोगों का मन मोह लिया।

इस अवसर पर बीके श्यामा दीदी ने श्री कृष्ण के जीवन का आध्यात्मिक स्वरूप स्पष्ट करते हुए बताया कि श्री कृष्णा सदा निश्चिंत रहने का संदेश हमें देते हैं उन जैसा खुश रहने वाला दूसरों को खुशी बांटने वाला संसार में और कोई नहीं। श्री कृष्ण ने खेल-खेल में सारी लीलाएं की और सभी को अपने जीवन से यह संदेश दिया की परीक्षाएं आती हैं

हमारी उन्नति के लिए उनसे परेशान होने के बजाय युक्तियुक्त होकर के उनका सामना करना चाहिए। परमात्मा जो श्रीमत हमें देते हैं उस श्रीमत को शिरोधार्य करना चाहिए। ब्रह्माकुमारी हेमलता दीदी ने सभी को श्री कृष्ण की तरह महारास करने का संदेश दिया और उसका आध्यात्मिक रहस्य भी स्पष्ट करते हुए कहा की हमें अपने जीवन में संस्कारों की रास करनी चाहिए अर्थात एक दूसरे के साथ सहयोगी बनकर, हर परिस्थिति में समान रहना चाहिए तभी हम श्री कृष्ण की तरह सदा खुश और निश्चिंत रह सकें। लोक निर्माण सभापति निर्मला नरेश चंदवानी ने कहा कि जन्माष्मी के इस दिन को भगवान विष्णु के आठवें अवतार भगवान कृष्ण के जन्म के रूप में मनाया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार भाद्रपद महीने की कृष्ण पक्ष की अष्मी तिथि को ही रोहिणी नक्षत्र में भगवान कृष्ण ने देवकी की कोख से जन्म लिया था। प्रारम्भ में ब्रह्माकुमारी बहनो ने अतिथियों का स्वागत किया और कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम में बडी संख्या में बीके भाई-बहन उपस्थित थे।

श्री प्रेम प्रकाश आश्रम में श्रद्धा व उमंग के साथ मना यशोदा के नन्दलाल का जन्मोत्सव

मंदसौर, 27 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। सिन्धी हिन्दू समाज की प्रमुख धर्म पीठ श्री प्रेमप्रकाश पंथ की मन्दसौर शाखा श्री प्रेमप्रकाश आश्रम में जन्माष्मी पर्व पर भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव श्रद्धा, उमंग एवं धार्मिक भावनाओं के साथ मनाया गया।

इस आशय की जानकारी देते हुए श्री प्रेमप्रकाश सेवा मण्डली के अध्यक्ष पुरुषोत्तम शिवानी ने बताया कि पूर्ण श्रद्धा के साथ लड्डूगोपाल की प्रतिमा को पंचामृत, दूध व गंगाजल से स्नान कराकर अबीर, गुलाल, कंकु लगाकर अभिषेक किया व नूतन वस्त्र, नवीन अलंकार, आभूषण पहनाकर झूला पालना में लड्डू गोपाल को रखकर पर्दा लगाया गया। भगवान के जन्म का समय 12 बजे के पूर्व दरबार साहिब की सभी लाइट बंद कर यशोदा के लाल लड्डूगोपाल को आलकी के पालकी जय कन्हैयालाल की के उद्घोष के साथ ठीक रात्रि 12 बजे लाईटों की जगमगाहट में जैसे ही पर्दा हटाया गया तो अत्यन्त ही सुन्दर रूप से सजधज कर सोलह श्रृंगार के साथ लड्डू गोपाल मानो साक्षात प्रकट हुए हो। सभी ने भगवान के बाल रूप को निहारा तथा जयकारे लगाये। श्री प्रेमप्रकाश सेवा महिला मण्डली की अध्यक्षा श्रीमती पुष्पा पमनानी के सानिध्य में महिलाओं ने मंगल गीतों, सिन्धी लांडे के साथ आरती कर भगवान श्री कृष्ण को अत्यंत ही प्रिय प्रसाद माखन मिश्री एवं अमृतमयी खीर का भोग अर्पित किया। शिवानी ने बताया कि जहां एक और भगवान श्री कृष्ण के सुंदर स्वरूप के संगत ने दर्शन कर सराहा वहीं दूसरी ओर भगवान श्री कृष्ण के स्वरूप में अनेक परिवारों की माताओं, बहनों ने अपने बच्चों को भगवान श्री कृष्ण जैसा सजाकर वातावरण को ओर भक्तिपूर्वक बना दिया। इसमें मोनल चंदानी, निधी बाबानी ,जतिन बालानी, सक्षम बाबानी, परी बाबानी, महक बाबानी, हृदय व पार्थ बाबानी, गर्व चंदानी, प्रांजल होतवानी, निशी लालवानी, वैदिक सेवानी, पार्थ होतवानी, जीविका गिदवानी, महक मनवानी, लवी व कृष्णा गिदवानी, महर बाबानी, लक्षिता मनवानी, महक मनवानी, हीर लालवानी राधा-कृष्ण बने। सभी ने भगवान के भजनों एवं गीतों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर संगत का मनमोह लिया। सभी बच्चों ने सामूहिक केक प्रसाद अर्पित किया व लड्डू गोपाल की आरती की। बडी संख्या में संगत ने बाल लड्डूगोपाल को पालना झूलाकर भगवान श्री कृष्ण के दर्शन कर मानव जाति में सुख-शांति-समृद्धि की मंगलमयी कामना एवं अंचल में बारिश व श्री कृष्ण जन्मोत्सव सदैव उत्साह आनंद उमंग का पल्लव (अरदास) पाकर प्रसाद वितरण किया गया। आभार प्रदर्शन महिला मण्डली प्रमुख श्रीमती पुष्पा पमनानी एवं सुरेश बाबानी ने प्रकट किया।

श्री केशव सत्संग में मनाया कृष्ण जन्मोत्सव

मंदसौर, 27 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। श्री केशव सत्संग भवन खानपुरा में ऋषिकेश के पूज्य स्वामी आत्मस्वरूपानंदजी सरस्वती महाराज के सानिध्य में कृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया। सुंदर झांकी बनाकर उसमें बालकृष्ण लड्डू गोपाल का श्री विग्रह और माखन खाते हुए का चित्र झांकी में दर्शाया गया। बाल स्वरूप में 10 माह की छोटी बालिका आसवी को बालकृष्ण रूप में सजाया गया, जो अपनी माता की गोद से उतरकर स्वाभाविक रूप में अकेली अपने आप घुटनों के बल चलती हुई और इधर उधर देखती हुई जहां झांकी बनी हुई थी उसके समीप पहुंच गयी। प्रत्यक्ष रूप से बालिका के इस मनोरम दृश्य ने सबका मनमोह लिया और भगवान कृष्ण के बाल स्वरूप समय की छवि की स्मृति दिला दी। स्वामी आत्मस्वरूपानंदजी सरस्वती महाराज ने श्रीमद् भागवत के भगवान श्री कृष्ण के चरित्र से संबंधित दशम स्कंध के आधार पर भगवान बालकृष्ण के बाल चरित्र पूतना व शकरासुर, बकासुर, अघासुर, कंस आदि के संहार के पश्चात की लीलाओं का संक्षिप्त वर्णन करते हुए भगवान कृष्ण के गीता का कर्मयोग जिसका आज सम्पूर्ण विश्व अनुसरण कर रहा है कर्मण्ये वाधिकारस्ते, माँ फलेषुकदाचन अर्थात हमारा अधिकार केवल कर्म करने में होना चाहिये फल की इच्छा में नहीं। हमारे द्वारा किये गये अच्छे-बुरे कर्मों के अनुसार शुभ अशुभ फल देना ईश्वर के अधीन जो अधिकार में है जिसे भगवान पर छोड देना चाहिये।

श्री द्वारकाधीश मंदिर पर जन्मे कृष्णाजी

मंदसौर, 27 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी श्री द्वारकाधीश मंदिर पर श्री पीपा क्षत्रिय समाज ट्रस्ट मंदसौर द्वारा भगवान श्री कृष्ण

जन्माष्मी का महोत्सव हर्षोल्लास व धूमधाम के साथ मनाया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनन्द ने भी उपस्थित होकर दर्शन लाभ लिया।

समाज द्वारा कृष्ण जन्माष्मी के उत्सव पर मंदिर में विशेष साज सज्जा के साथ दर्शन की तैयारियां की गई थी। यहां बनी झांकी सभी के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रही। पालना झुलाने के लिए भक्तों की भीड उमड़ी। रात्रि मंदिर पर महिलाओं और पुरुषों ने राधा कृष्ण के भजनों का भक्ति का आनंद लिया व भक्ति गीतों पर नृत्य किया। रात्रि ठीक 12 बजे कृष्ण जी का जन्म हुआ। भगवान के जन्म लेते ही चहुंओर खुशियां मनाई गई-जयकारे लगते रहे। भगवान के जन्म की एक झलक पाने के लिए भक्त जन लालायित रहे। भगवान श्री कृष्ण का जन्म होते ही ढोल बज उठे, घंटे, मजीरे बजने लगे, उत्साह के साथ आरती उतारी गई। भगवान के दर्शन की झलक पाने को श्रद्धालु उमड रहे थे। इस अवसर पर बडी संख्या में पीपा क्षत्रिय समाज ट्रस्ट के ट्रस्टीगण एवं समाज बंधु उपस्थित थे। ये जानकारी ललित कुमार भाटी ने दी।

सक्षम ने दिव्यांग छात्रावास में मनाया रक्षाबंधन एवं कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव

मंदसौर, 27 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। सक्षम मालवा प्रांत मंदसौर जिले के द्वारा दिव्यांग छात्रावास में दिव्यांग बच्चों के साथ रक्षाबंधन एवं कृष्ण जन्माष्मी उत्सव मनाया गया। लगभग 15 दिव्यांग बच्चों के साथ जिला पंचायत पूर्व अध्यक्ष श्री मदनलाल राठौर, सक्षम प्रांत सचिव श्री रविन्द्र पाण्डेय, भारतीय शिक्षण मंडल के श्री श्याम देशमुख, सक्षम मंदसौर जिला अध्यक्ष अलका अग्रवाल, सचिव निवेदिता नाहर, कोषाध्यक्ष कृष्णगोपाल उपाध्याय, उपाध्यक्ष सुनीता गोधा, पुष्कर, उमेश, शेखर, रामदयाल, विकास, परमेश्वर, सूरज, बबलू, मेहरबान, निधि, विनीता एवं विद्यालय के स्टाफ रजनी सिसोदिया ज्योति पालडिया आदि दिव्यांग छात्रावास के छात्र छात्राओं को रक्षा सूत्र बांधा एवं मिठाई खिलाई ओर आशीर्वाद दिया।

बच्चों को आशीर्वचन देते हुए मदनलाल राठौड ने कहा कि व्यक्ति का आत्मबल मजबूत होता है और वह अपना कर्म करता रहता है तो दिव्यांगता समुचित विकास में बाधक नहीं है। सक्षम के रविन्द्र पाण्डेय ने नेत्रदान पखवाडा 25 अगस्त से 8 सितंबर तक संपूर्ण क्षेत्र में मनाये जाने का आव्हान किया। आपने कहा कि नेत्रदान के क्षेत्र में फैली भ्रांतियो को दूर करने की आवश्यकता है। एक व्यक्ति नेत्रदान से दो लोगों को नेत्र ज्योति रोशनी प्रदान कर सकता है। आपने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ भी सभी दिव्यागजनों को मिले ऐसा सभी को प्रयास करना चाहिए। वर्तमान में दिव्यांगों के लिए शासकीय नौकरियों की विज्ञप्तियां बड़े पेमाने पर निकाली जारही है जिसका लाभ दिव्यांगों को लेना चाहिए। अंत में सभी ने नेत्रदान का संकल्प लिया।

धर्मधाम गीता भवन में श्री कृष्ण जन्माष्टमी मनी

मंदसौर, 27 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। धर्मधाम गीता भवन में संस्थापक अध्यक्ष स्वामी श्री रामनिवासजी महाराज के सानिध्य में श्री कृष्ण जन्माष्मी पर्व गीता भवन में श्रद्धा, भक्ति तथा आनंदपूर्वक मनाया गया। सत्संग हाल स्थित श्री कृष्ण मंदिर पर भगवान श्री कृष्ण की दिव्य प्रतिमा एवं लड्डूगोपाल की प्रतिमा को आकर्षक ढंग से सजाया गया। गीता भवन के पुजारी अभिषेक शर्मा के निर्देशन में रजनीश पुरोहित, आशीष बैरागी, मुकेश बैरागी तथा राजकुमार माली का श्री कृष्ण झांकी एवं लड्डू गोपाल का आकर्षक झूला बनाने में सराहनीय सहयोग रहा। शाम से ही झांकी दर्शन हेतु श्रद्धालुजनों का तांता लगा रहा। गीता भवन के ट्रस्टीगण सर्वश्री जगदीश चौधरी, अशोक त्रिपाठी, शेषनारायण माली के अलावा विश्व हिन्दू परिषद के अध्यक्ष कन्हैयालाल सोनगरा, फून्दासिंह, सुनील पंचारिया, रानू आदि के अलावा श्रीमती विद्या उपाध्याय, प्रेमलता आचार्य, कीर्ति आदि ने बडी संख्या में दर्शन लाभ लिया तथा रात 12 बजे श्री कृष्ण भगवान के जन्म आरती के बाद प्रसाद वितरण के साथ श्री कृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया।

दिनांक 28 अगस्त 2024

अपनी कुण्डली स्वयं देखे-

ज्योतिषाचार्य पंडित यशवंत जोशी के साथ

तुला राशि के लोग...

❊ दुसरों की तुलना मे अधिक आकर्षक होते है, स्वभाव से अस्थिर लेकिन अधिक वेग वाले दुसरो से निरंतर स्वयं की तुलना करने वाले होते है, ऐसे जातक कर्म से पीछे नहीं हटते लेकिन काम मिलने पर इन्हे अधिक संघर्ष करने पर ही सफलता मिलती है, इनकी उन्नति माताजी की कृपा से होती है।

जय दुर्गा ज्योतिष सेवा संस्थान एवं अनुष्ठान केंद्र मंदसौर

7024667840,8085381720

बेटियों को बचाना होगा...

मंदसौर, 27 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। बीते कुछ दिनो में समाचार पत्रो की सुर्खियां हमारी बेटियों की चीखो से भरी हुई है। महिलाओ के खिलाफ होने वाले दुष्कर्म व यौन अपराधो के मामले में देश वही खडा दिखाई देता है जन्हा बारह वर्ष पहले था। वर्ष 2012 के निर्भया कांड ने जिस तरह मानवता और संवेदनाओं को कलंकित किया था वही काम कोलकता के मेडिकल कालेज की महिला डॉक्टर के दुष्कर्म के बाद हत्या ने किया। देश के किसी न किसी कोने से रोज दुष्कर्म की खबर आती है। विरोध के स्वर पूरे देश में गूंजते है। पीडिता के लिए न्याय की मांग की जाती है। मगर कुछ दिनो की गहमागहमी के बाद तनी हुई मुट्ठियां फिर ढीली पड जाती है। सबकुछ ठंडे बस्ते में चला जाता है। होता या बदलता कुछ नही। फिर कुछ दिन बाद वैसी ही घटना होती है। लोग सोशल मीडिया पर आक्रोश जताते है और फिर क्रोध शांत हो जाता है। सच तो यह है की इन सबके बीच ऐसी घटनाएं निरंतर बढती जा रही है। ये घटनाएं जो सामने आ रही है वह इसका संकेत है की नैतिक आचरण और चरित्र के मामले में हम रसातल में पंहुच रहे है। इन मासुमो के खिलाफ हो रहे अत्याचार हमारे सभ्य समाज का सिर शर्म से झुका रहे है। यहां मन में सवाल उठता है की क्या हम सभ्य समाज कहलाने लायक है ? देवी की पूजा करने वाले समाज में ऐसी विकृत मानसिकता वाले लोग केसे हो सकते है जो छोटी छोटी बच्चियों को भी निशाना बनाए। मानव के भेष में छुपे ऐसे दानवो को कठोर दण्ड दिया जाना चाहिए। इसके लिए तंत्र में जो सुधार आवश्यक लगे वह होना चाहिए। केवल कानून होना ही पर्याप्त नही है बल्कि न्यायिक व्यवस्था की कमियां दूर होने के साथ प्रशासनिक व्यवस्था में भी सुधार होना चाहिए अन्यथा ऐसी घटनाओ पर उत्तेजित व आक्रोशित समाज आरोपियो को स्वयं सजा देने पर उतर जाएगा। क्या सरकार, पुलिस और प्रशासन ऐसा होने की प्रतीक्षा कर रहे है ? मातृशक्ति के खिलाफ अपराध होना समाज का सबसे घृणित चेहरा है। वर्षो तक अपराध किए इन हेवानो को देशवासियों के पसीने की कमाई पर पालने का क्या ओचित्य है ? कुछ समय पूर्व हैदराबाद पुलिस ने दुष्कर्म के चार अपराधियो का एनकाउंटर किया था जीसे पूरे देश ने समर्थन दिया था। ऐसे दरिंदो को इससे भी बदतर मौत दी जाना चाहिए। ताकि ऐसी दूषित मानसिकता को एक संदेश मिले की अब समाज कैंडल मार्च निकालने तक सीमित नही रहेगा और केवल कानून भरोसे भी नही बैठेगा अगर यही एक रास्ता दिखता है तो यही सही क्योंकि देश अब और बेटियों को निर्भया बनता नही देख सकता। समाज को स्वयं अपनी रक्षा के लिए अब उठ खडा होना होगा। अपनी बेटियों को पुलिस या सरकार के भरोसे मत छोडिए उन्हे आत्मरक्षा के गुर सिखाइए। बदमाशो से भीड जाने और उन्हे सबक सिखाने का साहस व हिम्मत दीजिए। बेटियों के हाथो में गिटार व मोबाइल के स्थान पर कटार दीजिए। उन्हे समझाइए की वह शक्ति स्वरूपा है। अबला नही सबला है। भारत के गौरवशाली इतिहास में मातृशक्ति के योगदान को बताइए जो वर्तमान में भी प्रेरक और प्रासंगिक है। अन्यथा भविष्य और भयावह होगा।

पत्र संपादक के नाम

संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

गौरव सोनी, मंदसौर

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	20	2544	2670
उडद	000	0000	0000
सोयाबीन	4678	4080	4601
गैहु	3550	2600	3300
चना	117	5950	7440
मसुर	106	4100	6000
धनिया	160	5251	6570
लहसुन	11700	11600	27000
मैथी	350	4900	5670
अलसी	940	5600	5973
सरसो	275	5161	5545
तारामीरा	000	0000	0000
इसबगोल	53	10251	13301
प्याज	2840	1552	3900
कलोंजी	13	15899	16160
डॉलर	85	9500	13400
तिल्ली	96	10400	12558
मटरसुखी	000	0000	0000
असालीया	23	8601	10100

मंडी में बम्पर आवक–तीन दिन के अवकाश के बाद मंगलवार को कृषि उपज मंडी खुली। इस दौरान वाहनों की कतारें लग गई। बम्पर आवक होने से दो घंटे की देरी से नीलामी शुरु हो सकी।

पिकअप की टक्कर से दो युवक घायल

दलौदा, 27 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। नगर के हाईवे पर बालाजी रिसोर्ट के सामने बिती रात्रि में पिकअप की टक्कर से बाईक सवार दो युवक घायल हो गए। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार बाईक से युवक भेरुसिंह पिता विक्रमसिंह राजपूत 36 वर्ष एवं उसका साथी विजय पिता गजेन्द्रसिंह सिसौदिया दोनों निवासी बानीखेड़ी जा रहे थे, तब पिकअप चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाकर टक्कर मार दी। दुर्घटना में दोनों घायल हो गए, लेकिन भेरुसिंह को ज्यादा चोट आना बताया गया है। पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की है।

संगठन पर्व सदस्यता अभियान के तहत मंदसौर ग्रामीण मंडल की कार्यशाला संपन्न

मंदसौर, 27 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, प्रदेश भाजपा संगठन प्रभारी महेंद्र सिंह एंव सह प्रभारी सतीश उपाध्याय, प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, प्रदेश सदस्यता अभियान प्रभारी एंव विधायक भगवानदास सबनानी एंव भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया के निर्देशानुसार मंदसौर ग्रामीण मंडल की संगठन पर्व अंतर्गत सदस्यता अभियान की मंडल कार्यशाला भाजपा जिला कार्यालय पर सम्पन्न हुई। बैठक में भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एंव पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया, भाजपा जिला महामंत्री विजय अठवाल, भाजपा वरिष्ठ नेता निहालचंद मालवीय, भोपाल सिंह सिसोदिया, रघुनंदन कुमावत, भाजपा मंडल अध्यक्ष ईश्वर सिंह पंवार, जगदीश शर्मा, शांतिलाल मालवीय, सदस्यता अभियान मंडल प्रभारी ओमप्रकाश पाटीदार मोकडी मंचस्थ थे। बैठक का शुभारंभ पं.दीनदयाल उपाध्याय एंव डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। तत्पश्चात मंचस्थ अतिथियों का स्वागत मंडल पदाधिकारियों द्वारा किया गया।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एंव पूर्व विधायक यशपालसिंह सिसोदिया ने सदस्यता अभियान की प्रक्रिया के बारे में बताया और कहा की संगठन पर्व पर हम अपने संगठन के उद्देश्यों को आगे बढा सकें और साथ ही नए सदस्यों का स्वागत कर सकें। भाजपा का संगठन उन मूल्यों और सिद्धांतों पर आधारित है, जो हमारे समाज को सशक्त और एकजुट बनाते हैं। भाजपा लक्ष्य है कि हम समाज के प्रत्येक वर्ग के लोगों को एक साथ लाएं ताकि वे संगठन के माध्यम से अपने अधिकारों की रक्षा कर सकें और समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकें। सदस्यता अभियान हमारे संगठन की सबसे महत्वपूर्ण गतिविधियों में से एक है। यह अभियान हमें नए विचारों, नई ऊर्जा और नई प्रतिबद्धताओं से जोडता है। नए सदस्य न केवल हमारे संगठन की शक्ति को बढाते हैं, बल्कि वे नई दृष्टिकोण और नए अनुभवों को भी हमारे साथ साझा करते हैं। जिससे हमारा संगठन और अधिक समृद्ध होता है। हमें इस अभियान में अपने मंडल के प्रत्येक बूथ से कम से कम 200 सदस्यों को भाजपा की सदस्यता दिलाना है। कार्यशाला का संबोधित करते हुए भाजपा जिला महामंत्री विजय अठवाल ने सदस्यता अभियान को लेकर दायित्वान कार्यकर्ताओं व जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया है की इस सदस्यता अभियान को लक्ष्य बनाकर राष्ट्रीय नेतृत्व एंव प्रदेश नेतृत्व की अपेक्षा अनुरूप हमें खरा उतरना है। साथ ही हमें मंडल में निवासरत समस्त पदाधिकारी एंव कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर प्रत्येक परिवार से भारतीय जनता पार्टी से जुड़ने हेतु आग्रह कर पार्टी का सदस्य बनाना है। इस संगठन पर्व के निमित सदस्यता अभियान को सफल बनाने के लिये हम संकल्प ले और इसे सफल बनायें। कार्यशाला को संबोधित करते हुए भाजपा वरिष्ठनेता राधेश्याम कुमावत ने कहा की सदस्यता अभियान के अंतर्गत हमें शक्ति केन्द्र एंव बूथ टोली की बैठक करना है व प्रत्येक परिवार तक पहुंच कर भाजपा की सदस्यता हेतु आग्रह कर उन्हे भाजपा का सदस्य बनाना है। स्वागत भाषण देते हुए भाजपा मंडल अध्यक्ष ईश्वर सिंह पंवार ने शक्ति केंद्र पर बैठक हेतु कार्यकर्ताओं को दायित्व दिया एंव मंडल के सभी दायित्ववान कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि संगठन पर्व 2024 को लेकर अपने-अपने बूथ पर सक्रिय होकर कार्य करें एवं मंडल को जिले में प्रथम स्थान दिलाने लक्ष्य तय करना है। बैठक का संचालन मंडल महामंत्री गोपाल पाटीदार ने किया एंव आभार आभार राजेश जी चौहान ने माना। बैठक में जगदीश गुर्जर, शिवनारायण गुर्जर, ओकारलाल माली, नेपाल सिंह सिसोदिया, बापुलाल पाटीदार, राजेश गुर्जर, वासुदेव माली, विक्रम सिंह परिहार, भेरूलाल धनगर, घनश्याम राठौर, गोपाल गोयल, विष्णु कुमावत, राजु यादव, महेश धनगर, मांगू सिंह, रामप्रताप सुथार, परमानंद धनगर, दुर्गाशंकर मीणा, कैलाश पाटीदार, प्रहलाद अहिरवार, भगवानसिंह, कारूलाल पाटीदार, चन्दन सिंह, गोपाल पाटीदार, रंगलाल मीणा, महेश जाट सहित मंडल में निवासरत पदाधिकारीगण एंव कार्यकर्ता गण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री आज मालवा पेट्रो प्रोडक्ट प्रा.लि. के आयल प्लांट का वर्चुअली उद्घाटन करेंगे

नीमच, 27 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन

यादव आज 28 अगस्त 2024 को प्रात: 10 बजे पूर्णतया स्वदेशी निर्मित म.प्र. के पहले कन्टी न्यूस, टेक्नोलॉजी टायर पायरोलिसिस ऑयल प्लांट नीमच का (मालवा, पेट्रो प्रोडेक्ट प्रायवेट लिमिटेड) का वर्चुअली उदघाटन करेंगे। एम.पी.आई.डी.सी.उज्जैन के निर्देशक ने बताया कि यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के वर्चुअली मुख्य आतिथ्य में होटल मंगलम नीमच में प्रात: 10 बजे से आयोजित किया जा रहा है। इस मौके पर सांसद श्री सुधीर गुप्ता , विधायक जावद श्री ओमप्रकाश सखलेचा, विधायक नीमच श्री दिलीप सिह परिहार, विधायक मनासा श्री अनिरूद्ध मारू, कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा, पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सज्जनसिह चौहान एवं न.पा.नीमच की अध्य,क्ष श्रीमती स्वाति गौरव चौपडा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

वृद्ध कलाबाई के भरण पोषण की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित की जाए-चंद्रा

कलेक्टर ने जनसुनवाई में 52 आवेदकों की सुनी समस्याएं

नीमच, 27 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। मनासा के वार्ड नम्बर एक भाटखेडी नाका निवासी वृद्ध महिला कमलाबाई पति रामलाल के साथ धोखाधडी कर, जबरन मकान विक्रय करने वालों के विरूद्ध तत्काल कार्यवाही करें। भरण पोषण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर, कलाबाई के भरण पोषण की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट नीमच में मनासा की कलाबाई पति रामलाल के आवेदन पर जनसुनवाई में एसडीएम मनासा को दिए गए। जनसुनवाई में एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

जनसुनवाई में ग्राम सरलाई निम्बाहेडा की कलाबाई पति राजू भील ने कृषि कार्य करते समय पति की मृत्यु हो जाने पर आर्थिक सहायता स्वीकृत करने का अनुरोध किया। इस पर कलेक्टर ने एसडीएम नीमच को निर्देश दिए कि वे संबंधित पीडित परिवार को नियमानुसार आर्थिक सहायता स्वीकृत करें। जनसुनवाई में कनावटी की सुषमा गाडे ने लडाई झगडा करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करने, इंदिरा नगर की श्रीमती मधु राठौर के जमीन का कब्जा दिलाने संबंधी आवेदन पर भी कलेक्टर ने तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में कुल 52 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। जनकपुर के शौकीन मेघवाल, नीमच की सीमा गर्ग, काकरिया तलाई की रूपाबाई, चम्पी की तेजू बाई, चोथखेडा की कारीबाई, धर्मसिह, जावद के शंकरलाल, माहूपूरापूरण के शोभालाल धाकड, छायन के बसंतीलाल, बांगरेड का खेडा के नाथू बंजारा, बरूखेडा के लालाराम माली, ग्वालटोली के ताराचंद्र, इंदिरा नगर की ललीता बाई लखारा आदि ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन कलेक्टर को प्रस्तुत किए। जिस पर संबंधित अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश कलेक्टर द्वारा दिए गए है।

जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन आज

मंदसौर, 27 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। रोजगार संचालनालय म.प्र. भोपाल के निर्देशानुसार कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग द्वारा बताया गया कि जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया है। रोजगार मेले का आयोजन 28 अगस्त को प्रात: 11 बजे शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नयाखेडा में आयोजित किया जाएगा।

पंडित भीमाशंकर शास्त्री की कथा का पुर्णाहुति व दीक्षा के साथ समापन

मंदसौर, 27 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। नरसिंहपुरा स्थित चारभुजा

धर्मशाला में बाथरा परिवार द्वारा आयोजित स्व. नाथुलाल व स्व. मुरिबाई की स्मृति में श्रीमद भागवत ज्ञान गंगा महोत्सव के सातवे व अंतिम दिवस की कथा में धारियाखेडी वाले पंडित भीमाशंकर शास्त्री ने कहा कि इतना बडा सपना देखो फालतू बैठना बंद करो।सपने वे होते है जो जाग कर देखे जाते है। जागो एक दिन आपका लक्ष्य जरूर सफल होगा। जो जिंदा है उसकी ही धरती पर निंदा है। अगर इरादे हो सच्चे तो सपने भी साकार होते है।जिंदगी मे अगर कामयाब होना है तो निरंतर चलना पडेगा। पंडित भीमाशंकर शास्त्री ने आगे कथा का वर्णन करते हुए बताया कि ज़ब भगवान श्री कृष्ण को अपने मित्र सुदामा की याद आ रही थी उन्होंने कहा मेरा मित्र बहुत गरीब है, हे रुक्मणी मैं आज तक किसी से नहीं हारा हूं। मैं मित्र सुदामा से हार गया हूं। इतना कष्ट देख लिया सुदामा ने फिर भी द्वारका नही आ रहा है। फिर भगवान श्री कृष्ण सुशीला के यहां भिक्षुक बनकर मित्र सुदामा से मिलने पहुंचे। और कहा अपने पति को द्वारका भेजना दशा सुधर जाएगी। तातपश्चात् कथा समाप्त होने पर पूर्णआहुति व पंडित भीमाशंकर शास्त्री ने दीक्षा दिलवाई।अंतिम में आरती संपन्न हुई।फिर कथा समापन पर महाप्रसादी का आयोजन किया गया।इस अवसर पर बाथरा परिवार में रूपलाल बाथरा, रमेशचंद्र बाथरा,राजमल बाथरा, मदनलाल बाथरा, कन्हैया लाल बाथरा, नटवर बाथरा, लोकेंद्र बाथरा ,सुरेंद्र बाथरा सहित समस्त बाथरा परिवार उपस्थित रहा।

अतिशेष शिक्षकों की सूची में ढेरों विसंगति

स्कूल में शिक्षक का पद खाली और पोर्टल बता रहा भरा

मंदसौर, 27 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। एजुकेशन पोर्टल अपडेट न होने के कारण अतिशेष शिक्षकों की सूची में ढेरों विसंगतियां सामने आ रही हैं, जिससे शिक्षकों में नाराजगी व्याप्त है। हालात यह हैं कि स्कूल में शिक्षक का पद खाली है और पोर्टल पर भरा बताया जा रहा है। जिससे न तो अतिशेष की सही जानकारी मिल रही है और न ही खाली पदों की। इतना ही नहीं, पोर्टल पर शिक्षकों के विषय भी गलत दर्ज हैं।कुछ स्कूलों में ऐसे भी हालात हैं कि प्राचार्य का एक पद स्वीकृत है और पोर्टल दो पदस्थ बता रहा है। शासकीय शिक्षक संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष उपेन्द्र कौशल ने ऑनलाइन काउंसिलिंग के माध्यम से अतिशेष शिक्षकों की अन्य स्कूलों में पदस्थापना से पहले पोर्टल को अपडेट करने की मांग आयुक्त लोक शिक्षण से की है। ताकि अतिशेष शिक्षकों का समायोजन शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार हो सके।

एक विज्ञान आधारित परीक्षा में भाग लेने के लिए 15 सितंबर तक करें पंजीकरण

मंदसौर, 27 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। विद्यार्थी विज्ञान मंथन विज्ञान भारती की पहल के तहत एक विज्ञान आधारित परीक्षा जो राष्ट्रीय शैक्षिण अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईएसएम) शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार एवं एक संस्था और राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद (एनसीएसएम) संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के अधीन एक स्वास्थ्य संस्था के सहयोग से आयोजित की जाती है। विद्यार्थी विज्ञान मंथन छठी से ग्यारहवीं कक्षा के स्कूली छात्रों के बीच विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिए एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है। परीक्षा का मुख्य उद्देश्य छात्रों में शुद्ध विज्ञान के प्रति रूचि पैदा करना। स्कूली बच्चो को पारंपरिक से आधुनिक तक, विज्ञान और प्रौद्योगिकी की दुनिया में भारत के योगदान के बारे में शिक्षित करना। वैज्ञानिक सोच रखने वाले छात्रों की पहचान करने के लिए प्रतियोगी परीक्षाएँ आयोजित करना। परीक्षा में कक्षा 6वीं से 11वीं कक्षा के छात्र सम्मिलित हो सकते है। जिसके लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 15 सितंबर 2024 है। परीक्षा 23 अक्टूबर या 27 अक्टूबर 2024 को ऑनलाइन मोड पर आयोजित की जाएगी। जबकि दूसरा और तीसरा चरण ऑफलाइन होगा। परीक्षा का समय सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक रहेगा। छात्र केवल एक बार लॉग कर पाएंगे। परीक्षा परिणाम की घोषणा 15 नवंबर 2024 की जाएगी। राज्या स्तरीय परीक्षा दिसंबर 2024 और राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा 17 और 18 मई 2025 को आयोजित की जाएगी। राज्य स्तरीय शिविर में प्रत्येक राज्य के प्रत्येक कक्षा से शीर्ष 20 रैंकर्स की पहचानकर 120 छात्रों का एक या दो दिवसीय राज्य स्तरीय शिविर (एसएलसी) में भाग लेने के लिए की जाएगी। राष्ट्रीय शिविर (एनसी) में प्रत्येक कक्षा से शीर्ष दो छात्र यानी प्रत्येक राज्य से कुल 12 छात्रों को दो दिवसीय राष्ट्रीय शिविर में आमंत्रित किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए वेबसाईट https://vvm.org.in पर या राज्य समन्वयक श्री रामेश्व र डांगी से सम्पर्क कर सकते है।

उपभोक्ता 31 तक खाद्यान्न प्राप्त करें

नीमच, 27 अगस्त गुरु एक्सप्रेस। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग भोपाल व्दारा राष्ट्री य खाद्य सुरक्षा अधिनियम अंतर्गत संचालित लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली के सुचारू क्रियान्वयन और पात्र हितग्राहियों को समय पर खाद्यान्न उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वर्तमान माह में ही खाद्यान्न का वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है। हितग्राहियों को आगामी 31 अगस्त तक वर्तमान माह अगस्त का खाद्यान्न वितरण किया जाएगा। आगामी माह(निरंतर) में भी खाद्यान्न का वितरण संबंधित माह की एक से 30 तारीख की अवधि में पूर्ण किया जाएगा। जिला आपूर्ति अधिकारी श्री आर.एन.दिवाकर व्दारा समस्ते पात्रता पर्चीधारी हितग्राहियों से पात्रतानुसार अगस्त माह का खाद्यान्न् आगामी 31 अगस्तत तक उचित मूल्य दुकान में उपस्थित होकर प्राप्त करने का आगृह किया गया है।

दशपुर कुंज से दो वर्ष का... पेज 1 से जारी

ने उसे इधर–उधर खोजा, लेकिन वह नहीं दिखाई दिया। बाद में कोतवाली आकर शिकायत दर्ज कराई गई। कोतवाली टीआई पीएस राठौड़ और एएसपी गौतम सोलंकी ने भी इस दिशा में छानबीन की। दशपुर कुंज बगीचे के आसपास क्षेत्रों के सीसीटीवी केमरे भी खंगाले गए हैं। हालांकि रात्रि तक बालक का कोई अता–पता नहीं चल सका है।

गांधीसागर 1303.68 फीट... पेज 1 से जारी

से पूरे प्रदेश में भारी बारिश का दौर रहा। सोमवार को भी कई जिलों में तेज बारिश हुई, लेकिन मंगलवार से मानसून एक्टिविटी घट जाएगी। 27 और 28 अगस्त को प्रदेश के कई जिलों में धूप निकली रहेगी। जिले में आज सुबह तक औतस 699.4 मिमी यानी 27.53 इंच औसत बारिश दर्ज की गई है।

बिना ब्लू प्रिंट के छात्र... पेज 1 से जारी

जो गणित की अंक योजना जारी की गई है, उसमें लिखा है कि दोनों प्रश्नपत्रों का स्तर अलग-अलग होगा।

इनका कहना–इस सत्र से गणित में दो विकल्प किए गए हैं। अगले सत्र से 10वीं में भी दो विकल्प होंगे। दोनों के प्रश्न पत्रों का स्तर अलग-अलग होगा। अभी ब्लू प्रिंट तैयार नहीं किया गया है।

केडी त्रिपाठी, सचिव, माशिमं, भोपाल

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मंदसौर म.प्र.

E-Mail-modgmman@mp.gov.in

क्रमांक/1085/खनिज/2024 मंदसौर, दिनांक–16.08.2024

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18(1–क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा प्राप्त करने के लिए

//// द्वितीय सूचना ////

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक विकास माईनिंग कार्पोरेशन, शाप नं. 1, महू नीमच रोड, दलौदा, तहसील दलौदा, जिला मंदसौर द्वारा केशर मशीन लगाकर गिट्टी बनाने एवं विक्रय के लिए पत्थर खनिज का उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर आनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 03.07.2024 को प्रस्तुत किया गया है। इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना 926/खनिज/2024 मंदसौर दिनांक 10.07.2024 प्रकाशित की गई थी। इस क्षेत्र पर पुनः 05.09.2024 तक इस क्षेत्र पर यथा स्थित उत्खनिपट्टा आवेदन आन लाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई–खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नं.	रकबा	भूमि का प्रकार (शासकीय/निजी)	खनिज का नाम	रिमार्क
मंदसौर	मंदसौर	गुर्जरबर्डिया	170/16	1.000 है.	शासकीय	गिट्टी पत्थर एवं एम.सेंड (क्रेशर आधारित)	---

1. उपरोक्त प्रस्तुत आनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 05.09.2024 तक कार्यालयीन समय सायं 5.30 बजे तक आनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। 2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते है तो उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को मप्र गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा। 4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरान्त भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा। 5. निर्धारित समयावधि के उपरान्त प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी
खनिज शाखा जिला मंदसौर म.प्र.

G-15418/24 दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।

✲ अंतिम यात्रा ✲

शिवनारायणजी मिश्रा के अनुज, गोपाली मिश्रा उपाध्याय के

पिता, मयंक मोहन उपाध्याय के ससुरजी, ऋतविक व कनिष्क के नानाजी श्री महेश प्रसाद मिश्रा (पूर्व अध्यक्ष श्री गोपाल कृष्ण गौशाला व पूर्व महासचिव स्टेट बैंक ऑफ इंदौर एम्प्लॉईज को ऑर्डिनेशन कमेटी) का श्रीजी शरण 26 अगस्त, सोमवार को हो गया है। जिनकी अंतिम यात्रा 28 अगस्त बुधवार को प्रात: 10 बजे निवास स्थान 14 राम कृष्ण कुटी, प्रताप कॉलोनी, बीएसएनएल ऑफिस के पास से मुक्ति वाहन द्वारा मोक्ष धाम जाएगी।

✲✲✲ शोकाकुल ✲✲✲
समस्त मिश्रा परिवार, मंदसौर

✲✲ नाम परिवर्तन ✲✲

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं HUSAIN KHAN ने अपना नाम परिवर्तन कर HUSEN KHA पिता KALLU KHAN कर लिया हैं। अतः आईन्दा आगे से मुझे अपने नए नाम HUSEN KHA के नाम से जाना एवं पहचाना जाए।

पता–मर्दादीन मोहल्ला, वार्ड नं. 24, मंदसौर

✲✲ नाम परिवर्तन ✲✲

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं मलेका जैनुद्दीन मेम्बर साहेब पति जैनुद्दीन मेम्बर साहेब ने अपना नाम परिवर्तन कर मलेका मेम्बर साहेब कर लिया है। अतः आईन्दा आगे से मुझे अपने नए नाम मलेका मेम्बर साहेब के नाम से जाना एवं पहचाना जाए।

पता–28, मुफद्दल नगर, मंदसौर

कार्यालय अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी मंदसौर (मप्र)

क्रमांक–क्यू/2024 मंदसौर, दिनांक 27.08.2024

विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वाहन क्रमांक एमपी 14 एबी 3513 जो कि इस कार्यालय में शिवसिंह पिता भंवरसिंह राजपूत निवासी गांव लसुड़िया, तहसील-सीतामऊ, जिला मंदसौर के नाम से पंजीकृत है।

यह कि वाहन स्वामी की मृत्यु दिनांक 30.04.2024 को हो चुकी है इसलिए उक्त वाहन का पंजीयन अपने नाम से करने हेतु उनकी पत्नी संजूकुंवर पति शिवसिंह निवासी गांव लसुड़िया, तहसील-सीतामऊ, जिला मंदसौर ने इस कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया है। इस संबंध में जिस व्यक्ति को आपत्ति हो वह विज्ञप्ति प्रकाशन के सात दिवस के अंदर इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के पश्चात प्रस्तुत किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। अंतरण आवेदक के नाम पर कर दिया जावेगा।

अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, मंदसौर

कार्यालय अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी मंदसौर (मप्र)

क्रमांक –क्यू मंदसौर, दिनांक

विज्ञप्ति

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वाहन क्रमांक एमपी 14 जेडसी 8903 जो कि परिवहन कार्यालय मंदसौर में निर्मलाबाई पति राजेन्द्रसिंहजी निवासी रणायरा, तहसील मल्हारगढ़, जिला मंदसौर के नाम से पंजीकृत है।

यह सूचित किया जाता है कि वाहन स्वामी की मृत्यु हो चुकी है इसलिए उक्त वाहन का अंतरण अपने नाम से करने हेतु उनके पति राजेन्द्रसिंह पिता नाहरसिंह निवासी रणायरा, तहसील मल्हारगढ़, जिला मंदसौर ने इस कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया है। इस संबंध में जिस व्यक्ति को आपत्ति हो वह विज्ञप्ति प्रकाशन के सात दिवस के अंदर इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित अवधि के पश्चात प्रस्तुत किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। अंतरण आवेदक के नाम पर कर दिया जावेगा।

अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, मंदसौर

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल रतलाम

नामान्तरण –सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी कितियानी मंदसौर स्थित भूखण्ड क्रमांक M-77 श्रीमती माया ठाकुर पति श्री गुलाब सिंह ठाकुर को मण्डल आदेश क्रमांक 8914 दिनांक 20.12.1986 द्वारा आवंटित किया गया था। उक्त भूखण्ड का पट्टाभिलेख दिनांक 23.02.1988 एवं लीज नवीनीकरण दिनांक 15.12.2022 को उप-पंजीयक कार्यालय में निष्पादित करवाया गया था। श्रीमती माया ठाकुर पति श्री गुलाब सिंह ठाकुर द्वारा उक्त भूखण्ड का विक्रय श्रीमती ललिताबाई पाटीदार पति श्री मुकेश पाटीदार को कर विक्रय पत्र दिनांक 15.03.2023 को पंजीबद्ध करवाया गया था। उक्त विक्रय पत्र एवं प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर उक्त भूखण्ड का नामांतरण श्रीमती ललिताबाई पाटीदार पति श्री मुकेश पाटीदार अपने नाम करवाना चाहती है।

अत : इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर भूखण्ड का नामांतरण श्रीमती ललिताबाई पाटीदार पति श्री मुकेश पाटीदार के नाम से कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नही होगा।

सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल संभाग–रतलाम (मप्र)

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in